www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
1 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 92 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा

गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के चार कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार ,कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार बड़ा हादसा हो गया। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार शाम गंगनहर में नहाते समय चार कांवड़ यात्री डूब गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस को जटवाड़ा पुल के पास चार युवकों के गंगनहर में डूबने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया। गोताखोरों ने गंगनहर में तलाश शुरू की। अभियान के दौरान चारों युवकों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान शिवांशु पुत्र पवन सिंह (16), नीतेश पुत्र राजेश, भरत पुत्र हरीश, निवासी सेक्टर–16/30, चंडीगढ़ और रोहित पुत्र भवानी प्रजापति, निवासी सेक्टर–26, चंडीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, चारों कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार आए थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। जल पुलिस की टीम में अभियान प्रभारी एएसआई अतुल सिंह, हेड कांस्टेबल नरेंद्र नेगी, हेड कांस्टेबल प्रदीप सिंह रावत, हेड कांस्टेबल गगनदीप सिंह, गोताखोर जानू पाल, मनोज बहुखंडी, चिराग अरोड़ा और वाहन चालक मनमोहन सिंह नेगी शामिल रहे।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही

- 9 लोगों की मौत,मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा
- 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका, रेसक्यू है जारी

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11.30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ), ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू किया।

संसद में एमपी पप्पू यादव पुजारी बनकर पहुंचे, राहुल ने चंदा दिया

- राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था। इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं।

- **रिजिजू बोले- सदन में बिल पर चर्चा करें, हंगामा नहीं-** किरेन रिजिजू ने कहा कि हम चाहते हैं कि भविष्य में ऐसा न हो। आप चर्चा में शामिल नहीं होते और बाहर जाकर कहते हैं कि सरकार चर्चा नहीं कराती। अगला बिल लेकर आएंगे और आप हंगामा करेंगे तो अच्छा नहीं होगा। चर्चा करें, हंगामा ना करें। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश

- बंगाल के बर्धमान से जैश का आतंकी अरेस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश सामने आई है। एसटीएफ ने राज्य के बर्धमान जिले से हामिद मंडल के आतंकी को अरेस्ट किया है। एसटीएफ ने हामिद मंडल के जैश से जुड़े होने का दावा किया। एसटीएफ की तरफ से आतंकी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद 9 मई को राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बर्धमान जिले से जैश ए मुहम्मद के आतंकी हामिद मंडल को गिरफ्तार किया है। बंगाल पुलिस के अनुसार, जैश से जुड़े आतंकी हामिद मंडल ने सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश रची थी। हामिद मंडल को गुरुवार देर रात बर्धमान जिस किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया, उसमें दो-तीन महीनों से छिपकर रह रहा था।

हामिद सज्जाद भट समूह से जुड़ा है आतंकी

एसटीएफ के अनुसार आतंकी हामिद को बर्दवान के रेनेसां हाउसिंग से गिरफ्तार किया गया है। वह जैश-ए-मुहम्मद का आतंकवादी हामिद सज्जाद भट समूह से जुड़ा है। एसटीएफ ने कहा है कि वह कई सालों से बंगाल में रह रहा था। गिरफ्तार हामिद के पास से सभी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पाकिस्तान के कराची में गैंगवार, जमकर चलीं गोलियां

- फिल्म 'धुरंधर' वाले उजैर बलोच के भाई पर हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जेल में बंद कराची के गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर जानलेवा हमला हुआ है। जुबैर को गुरुवार शाम को कराची के लियारी इलाके में गोली मार दी गई। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जुबैर की हालत गंभीर है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, जुबैर को सीने और पेट में गोली लगी है। उसे शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोलीबारी में दो राहगीर भी घायल हुए हैं। उजैर बलोच को लियारी का किंग कहे जाने वाले अब्दुल रहमान उर्फ रहमान डकैत के दाहिने हाथ के रूप में जाना जाता है। रहमान डकैत के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने के बाद उजैर बलोच ने लियारी की गद्दी संभाल ली थी। हाल के दिनों में उजैर बलोच का नाम भारतीय स्पाई-थ्रिलर फिल्म धुरंधर की वजह से एक बार फिर सुर्खियों में आया है। फिल्म में उजैर का किरदार दानिश पंडोर ने निभाया है।

उफान पर नदियां, हाईवे तक पहुंचा पानी

- गुजरात-उत्तराखंड में स्कूल बंद, यूपी में हाहाकार
- एमपी और महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट जारी

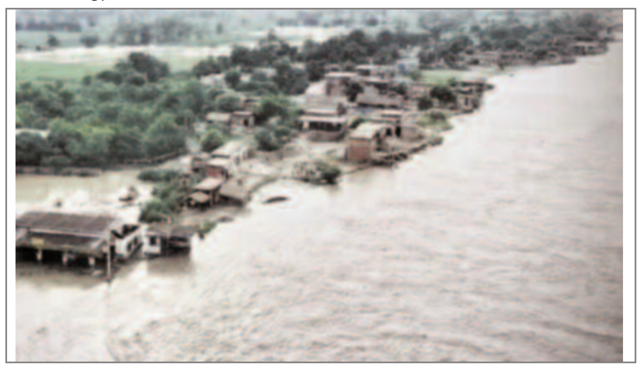

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी स्कूल बंद हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं। मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम ऐक्टिव हैं। इसके चलते अगले 2 दिन प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजस्थान, बिहार समेत 7 राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। **गुजरात में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात-** बंगाल की खाड़ी से उठ रहे तूफान के कारण गुजरात के सूरत में प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खराब मौसम की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

- **अरुणाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड की चेतावनी-** मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में 31 जुलाई से भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। विभाग ने 9 जिलों के लिए फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ का अलर्ट भी जारी किया है। तेलंगाना के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़कर 43 फीट पहुंच गया है।

  इसके बाद प्रशासन ने पहला खतरे का अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं, नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 9.32 लाख क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम की ओर छोड़ा गया है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।
- **महाराष्ट्र के सतारा में लैंडस्लाइड से सड़क बंद-** महाराष्ट्र के सतारा जिले में भारी बारिश के कारण दो जगह लैंडस्लाइड हुआ। इससे ढेबेवाड़ी-नवरास्ता मार्ग को बंद कर दिया गया। लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ने के कारण पुराना संगमनगर पुल भी पानी में डूब गया। प्रशासन ने लोगों से बिना जरूरी काम के यात्रा न करने की अपील की है।
- **मध्य प्रदेश के खंडवा में टापू पर फंसे 4 लोगों का 11 घंटे बाद रेस्क्यू-** मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में दो नदियों के बीच बने एक टापू पर चार लोग फंस गए थे। उन्हें करीब 11 घंटे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चारों पिकनिक मनाने गए थे।

  इसी दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से वे टापू पर फंस गए। राहत अभियान के दौरान ड्रोन की मदद से उन्हें भोजन पहुंचाया गया। इसके बाद बचाव दल ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

भरत एनकाउंटर में पहली गोली मारने वाला जवान गिरफ्तार

- बिहार सीएम से परिवार की मुलाकात के बाद ऐक्शन,5 गोलियां मारी गई थीं

आरा (एजेंसी)। बिहार में भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर में बड़ी कार्रवाई हुई है। उस पर गोली चलाने वाले बिहार एसटीएफ के जवान अक्षय कुमार को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। भरत तिवारी का एनकाउंटर 17 जून को हुआ था। उसकी मां आशा देवी ने अक्षय कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी जवान को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोप है कि आत्मसमर्पण करने के बाद भरत तिवारी को सबसे पहली गोली अक्षय कुमार ने मारी थी। एनकाउंटर की जांच के दौरान कई बार बुलाने के बाद भी वह पूछताछ के लिए नहीं आया।

- **मां ने कहा-एसटीएफ जवान ने पहली गोली चलाई थी-** भरत एनकाउंटर में पहली गिरफ्तारी पर आशा देवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पुलिस ने कार्रवाई की है। आगे भी ऐक्शन होना चाहिए। एसडीएम, डीएसपी की भी गिरफ्तारी होनी चाहिए, भरत ने उनका नाम लिया था। दरोगा भी शामिल था। उसे भी गिरफ्तार करना चाहिए। सीएम ने इंसाफ दिलाने की बात कही है, मुझे उन पर भरोसा है।'

पीएम पर टिप्पणी करने वाली लड़की पर एफआईआर का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की रुचिका सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध किया है। प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि लड़की के खिलाफ आपराधिक केस की जगह मानहानि का केस दर्ज करना चाहिए। यह कार्रवाई मशीनरी का दुरुपयोग है। इस देश में लोग चलते-फिरते गाली देते हैं। यह अपराध कैसे बन गया। यह मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर का है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में लड़की पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती नजर आई थी। गाजियाबाद की रहने वाली स्मृति सिंह ने रुचिका के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जानबूझकर अपमान करने का आरोप है।

मेरे पिता घर आए तो खून से लाल थी वर्दी

- सीजेपी प्रदर्शन पर पुलिस परिवारों का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 20 तारीख के बाद यही नेरेटिव चलाया जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है। हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है। घायल पुलिसवाले की बेटी गुंजन ने कहा- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व भी थेः मेरे पिता जंतर-मंतर पर बैरिकेड के पास तैनात थे। वे अक्सर कहते थे कि यह अब सिर्फ छात्रों का प्रदर्शन नहीं रहा, इसमें असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं। 20 जुलाई को रात 10 बजे मेरे पिताजी को उनके साथी घर लेकर आए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। हिंसक भीड़ ने उन्हें घसीटा और जंतर-मंतर मंच के पास पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी। वे करीब चार घंटे तक अस्पताल में बेहोश रहे, फिर भी सोशल मीडिया पर उन्हें ही क्रिमिनल बताया गया।

एसआई की पत्नी बोलीं

शरारती तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया

20 जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल किया, तो वो हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। भीड़ में मौजूद शरारती तत्वों ने पत्थर और हथियारों से पुलिस जवानों को घायल कर दिया था। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। रात 11 बजे जब पति घर आए, तो उन्होंने बताया कि संसद की सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ा गया और पुलिस फोर्स पर हमला किया गया। ड्यूटी के दौरान उन्हें मिला हेलमेट पूरी तरह टूट चुका था। मेरे पिता एसआई हैं। उन्हें बहादुरी के लिए 4 सम्मान मिल चुके हैं। मेरे दादाजी भी बीएसएफ में थे। 1971 की जंग लड़ चुके हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन में पिता फ्रंटलाइन पर तैनात थे। उनके साथी से पता चला कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी है। जब उनकी तस्वीर देखी तो सिर मुंडा हुआ था और चार टांके लगे थे। मैं डर गया था। पिता ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ छात्र नहीं थे, बल्कि हिंसक और उपद्रवी लोग भी थे।

पीछे की जमीन पर पढ़ी गई जुमे की नमाज

- भोजशाला में 'सुप्रीम' फैसले के बाद पुलिस ने की व्यवस्था
- आसपास बैरिकेडिंग, स्थानीय लोगों ने जताई थी आपत्ति

इंदौर (एजेंसी)। धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद शुक्रवार को एक नया घटनाक्रम सामने आया। प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के बीच गुरुवार देर रात हुई चर्चा के बाद भोजशाला परिसर की पिछली बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर जुमे की नमाज अता करने पर सहमति बनी। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और पुलिस बल के साथ बैरिकेडिंग कराई। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच मुस्लिम समाज के लोग नमाज के लिए निर्धारित स्थल पर पहुंचे। बारिश के कारण जमीन गीली होने पर वहां तिरपाल बिछाई गई। शुरुआत में करीब 10 से 15 लोग जुमे की नमाज अता करने पहुंचे। धीरे-धीरे नमाजियों का सिलसिला बढ़ते-बढ़ते 100 से ऊपर पहुंच गया। कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के सदर अब्दुल समद एवं याचिकाकर्ता भी नमाज पढ़ने स्थल पर पहुंचे।

जगह को लेकर स्थानीय लोगों ने जताई आपत्ति- हालांकि नमाज के लिए तय किए गए स्थल को लेकर स्थानीय हिंदू समाज के कुछ लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है। दरअसल, भोजशाला के पीछे रहने वाले रहवासियों का दावा है कि यह जमीन निजी कृषि भूमि है और उसका स्वामित्व उनका है। उनका कहना है कि इस जमीन पर नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

बारिश के बीच प्रशासन ने संभाला मोर्चा

पूरे घटनाक्रम को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने भोजशाला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। दोनों पक्षों के आवागमन के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं। बारिश के कारण नमाज स्थल की जमीन गीली होने पर प्रशासन की ओर से तिरपाल आदि की व्यवस्था कराई गई, ताकि नमाज के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। इस दौरान प्रशासन ने क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है। यहां पर यह बता दें कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला परिसर में नियमित पूजा जारी है, जबकि मस्जिद पक्ष पिछले कुछ समय से अपने घरों या स्थानीय मस्जिदों में नमाज पढ़ रहा है। 30 जुलाई को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था के तहत यह कहा था।

जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करें

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में सुनी जन समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जन समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ ही गढ़वाल आयुक्त एवं आईजी गढ़वाल को भी जन शिकायतों के निस्तारण में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जन समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो और संबंधित लोगों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर केदारनाथ विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से भेंट की।

उन्होंने इस वर्ष की केदारनाथ यात्रा के साथ ही चारधाम यात्रा के अब तक सफल एवं सकुशल संचालन तथा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा यात्रा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी और बेहतर प्रबंधन के परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिली है। विधायक भूपाल राम टम्टा ने भी प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से भेंट की। उन्होंने बुग्याल क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय में स्थानीय हितों को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

चोर की तलाश के लिए 40 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले

गौचर। नगर क्षेत्र के मुख्य बाजार में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस ने 40 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले और मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई धनराशि और चेकबुक मिली। आरोपी के खिलाफ पूर्व में टिहरी, पौड़ी एवं देहरादून के विभिन्न थानों में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस की ओर से आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जिला जेल पुरसाड़ी भेज दिया गया। बीतीरात को एक व्यक्ति ने दुकान का ताला तोड़कर दुकान के गल्ले से रखे लगभग 15 हजार नकद धनराशि और एक पासबुक चोरी कर ली थी। दुकानदार की ओर से कोतवाली में मामले की तहरीर दी गई। प्राथमिक दर्ज करते हुए एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम की ओर से दुकान के आसपास सहित नगर क्षेत्र के 40 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। फोटो एवं वीडियो के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी महावीर सिंह रावत (37) घनसाली टिहरी ने चोरी की बात स्वीकार की है।

डाटकाली टनल के पास खड़े कंटेनर से टकराया पिकअप वाहन

देहरादून। दून–दिल्ली एक्सप्रेसवे पर डाटकाली टनल के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार पिकअप कंटेनर सड़क किनारे खड़े खराब कंटेनर से टकरा गया। हादसे में पिकअप में सवार चालक और उसका साथी वाहन में फंस गए। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने रेस्क्यू कर दोनों को बाहर निकाला और निजी वाहन से दून अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के कारण कुछ देर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को सूचना मिली कि डाटकाली टनल के पास सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर में पीछे से पिकअप कंटेनर टकरा गया है और उसमें दो लोग फंसे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि कंटेनर खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। उसका चालक पुष्पम निवासी परतापुर, मेरठ वाहन में मौजूद था। इसी दौरान पीछे से आ रहा पिकअप कंटेनर अनियंत्रित होकर खड़े कंटेनर से जा भिड़ा।

पिकअप चला रहे कपिल निवासी गुरुग्राम और उसके साथ बैठे सतीश निवासी थाना बिहारीगढ़, सहारनपुर वाहन के केबिन में फंस गए। मौके पर मौजूद लोगों, पुलिस टीम और एनएचएआई की क्रेन की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में दोनों के पैरों में गंभीर चोटें आईं, हालांकि वे होश में थे और बातचीत कर रहे थे। एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों घायलों को निजी वाहनों से दून अस्पताल पहुंचाया।

समय पर नहीं पहुंची एंबुलेंस

बताया गया कि 108 एंबुलेंस समय पर मौके पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में पुलिस ने देरी न करते हुए निजी वाहन की व्यवस्था कर दोनों घायलों को उपचार के लिए दून अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को यातायात और सुरक्षा के मद्देनजर चौकी परिसर में खड़ा कराया।

एक नजर

सभासद ने नगर पंचायत अध्यक्ष के पति के खिलाफ दी तहरीर

नंदानगर। सभासद मंजिला देवी ने नगर पंचायत नंदानगर की अध्यक्ष के पति सुखवीर रौतेला के खिलाफ नंदानगर थाने में शिकायत की। उन्होंने उनके साथ अभद्रता करने व धमकी देने का आरोप लगाया और मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की।

वार्ड नंबर एक की सभासद मंजिला देवी की ओर से थाने में दी तहरीर में कहा गया कि शुक्रवार को नगर पंचायत अध्यक्ष की ओर से सभी सभासदों के साथ बैठक रखी गई थी। इसी दौरान अध्यक्ष के पति सुखवीर रौतेला भी वहां पहुंच गए और मेरे साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर गाली गलौच करने लगे। कहा कि जब उन्होंने फोन से वीडियो बनाने का प्रयास किया तो सुखवीर रौतेला ने फोन छीनकर नीचे गिरा दिया। कहा कि तुझे और तेरे फोन को खिड़की से बाहर फेंक दूंगा। आरोप लगाया कि उनके चरित्र पर लांछन लगाने के साथ जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया गया। उन्होंने पुलिस से मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर हुई कार्यशाला

कर्णप्रयाग। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर कार्यशाला हुई। प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने शुद्ध मतदाता सूची को लोकतंत्र के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने छात्रों से जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. कविता पाठक ने एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी दी। डॉ. कामना लोहनी ने युवा मतदाताओं की जिम्मेदारियां बताईं। डॉ. मदन शर्मा ने जनसहभागिता का महत्व समझाया। छात्र–छात्राओं ने मतदाता जागरूकता का संकल्प लिया।

मेडिकल कॉलेज फिपल्टी ले जाने के विरोध में उतरे विभिन्न संगठन

नई टिहरी। टिहरी के भागीरथी पुरम से सटे इणिया में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को नरेंद्रनगर के फिपल्टी ले जाने के विरोध में विभिन्न संगठनों ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि विरोध के बाद भी मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र ले जाया गया तो उग्र आंदोलन होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन भेजा। टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक और छात्र संगठनों के साथ क्षेत्र जनता ने सुमन पार्क से डाइजर होते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ़ राकेश भूषण गोदियाल ने कहा कि इणिया में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को लेकर दो–दो मुख्यमंत्री ने घोषणा कर चुके हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल उसे अन्यत्र ले जाकर जनता की उपेक्षा कर रहे हैं। पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि सरकार टिहरी और नरेंद्रनगर विधानसभा की जनता को आपस में लड़ाने का काम रही है। बेहतर होता कि सरकार दोनों जगहों के लिए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत करवाती। डॉ़ प्रीति पोखरियाल ने कहा कि टिहरी की जनता ने टिहरी बांध के कारण बहुत कुछ खोया है।

सुविधाओं के अभाव में लोग नई टिहरी से पलायन कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज का निर्माण जिला मुख्यालय में ही होना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के नाम भाजपा विधायक और स्वास्थ्य मंत्री जनता को गुमराह कर रहे हैं। सरकार प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का शासनादेश जारी कर जिला मुख्यालय में निर्माण कार्य शुरू करें। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक सुशील बहुगुणा ने सीएम से जिला चिकित्सालय बौराड़ी के आसपास पास मेडिकल की स्थापना की मांग उठाई।

विधानसभा चुनाव और प्रदेश में ज्वलंत मुद्दों हुई चर्चा

नैनबाग (टिहरी)। कांग्रेस कमेटी की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष दीपचंद सजवाण की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनबाग इकाई का विस्तारीकरण करते हुए विधानसभा चुनाव 2027 और प्रदेश में ज्वलंत मुद्दों चर्चा की गई।

कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ब्लॉक उपाध्यक्ष पंकज कोहली व अनिल सिंह चौहान, महामंत्री जयेंद्र रमोला, महिला ब्लॉक अध्यक्ष सरोजनी भंडारी, विधानसभा ओबीसी उपाध्यक्ष गंभीर सिंह पंवार, सचिव प्रेम सिंह रावत बनाए गए हैं। नैनबाग इकाई के ब्लॉक अध्यक्ष दीपचंद ने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का विस्तार करते हुए सभी लोगों को कार्यकारिणी में जगह दी गई है।

देहरादून नगर निगम में बढ़ा सियासी संग्राम

देहरादून नगर निगम में कांग्रेस पार्षद और सफाई कर्मचारी यूनियन के बीच शुरू हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। कुछ दिन पहले एक कांग्रेस पार्षद ने सफाई कर्मचारी यूनियन के एक पदाधिकारी पर अभद्रता, धमकी और हाथापाई का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा भी दर्ज किया। इसके बाद सफाई कर्मचारी यूनियन ने भी पलटवार करते हुए संबंधित पार्षद पर कर्मचारियों के शोषण और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। यूनियन के पदाधिकारियों ने महापौर से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी और पुलिस को भी लिखित शिकायत सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। इसी बीच पूरे घटनाक्रम का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद मामला और गरमा गया है। वायरल हो रहे वीडियो में मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी के कक्ष के अंदर कांग्रेस पार्षद कुर्सी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान कुछ लोग उन्हें घेरकर तीखी बहस करते, आक्रमक व्यवहार करते और कथित रूप से धमकाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, वीडियो पूरे घटनाक्रम का केवल एक हिस्सा दिखाता है और इससे पहले या बाद की परिस्थितियां स्पष्ट नहीं हैं। वीडियो सामने आने के

बाद नगर निगम के विभिन्न दलों के पार्षद एकजुट हो गए। पार्षदों ने महापौर से मुलाकात कर इसे जनप्रतिनिधियों के सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताया तथा संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों के साथ इस प्रकार का व्यवहार होगा तो नगर निगम की कार्यप्रणाली प्रभावित होगी। वहीं, सफाई कर्मचारी यूनियन अपने आरोपों पर कायम है। यूनियन का कहना है कि कर्मचारियों के साथ लगातार अनुचित व्यवहार किया जा रहा है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा। यूनियन ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि पूरे मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए। फिलहाल नगर निगम प्रशासन दोनों पक्षों के बीच विवाद का समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है। पुलिस भी दर्ज शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सड़क किनारे संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

हल्द्वानी। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी के मुखानी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब कालाढूंगी रोड पर सड़क किनारे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मुखानी थाना पुलिस, फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। फिलहाल युवक की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 6:47 बजे डायल–112 पर सूचना मिली कि कमलवागांजा स्थित खन्ना होटल के सामने कालाढूंगी रोड किनारे एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां युवक सड़क किनारे चित्त अवस्था में मिला। घटनास्थल के आसपास उसकी चप्पलें अलग–अलग स्थानों पर बिखरी हुई थीं, जिसके चलते पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य

घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की गंभीर चोट के निशान नहीं मिले, हालांकि कान के पास हल्की खरोंच पाई गई। पुलिस का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

देहरादून के घंटाघर के पास चकराता रोड स्थित दुकान में लगी भीषण आग

देहरादून। राजधानी देहरादून के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल चकराता रोड स्थित घंटाघर के समीप शुक्रवार को एक दुकान में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगते ही दुकान से ऊंची–ऊंची लपटें और धुएं का घना गुबार उठने लगा, जिसे देखकर आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर सर्विस और पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने तेजी से मोर्चा संभालते हुए आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और फायर टीम का सहयोग किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के कुछ ही मिनटों में धुएं का गुबार दूर–दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। एहतियात के तौर पर पुलिस ने मौके पर यातायात को नियंत्रित किया और लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग द्वारा आग के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, घटना में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (उएड) उत्तराखंड से शिष्टाचार भेंट कर विशेष गहन पुनरीक्षण (रस्त्रीं' कल्लशेल्ल२५ी फी५२ङ्क्ल्ल झ रकफ) प्रक्रिया में सामने आ रही अनियमितताओं को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने प्रथम चरण में हुई त्रुटियों और द्वितीय चरण में दावों एवं आपत्तियों की सुनवाई के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया को अव्यावहारिक, अपारदर्शी एवं पक्षपातपूर्ण बताते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। इसके साथ ही पूरी निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रत्येक मतदाता के लिए समान रूप से सुगम होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता के अधिकारों का हनन न हो। ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) के प्रथम चरण में कई गंभीर त्रुटियां और विसंगतियां सामने आई हैं। इनका समाधान किए बिना द्वितीय चरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाना मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित करेगा तथा निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता

पर भी प्रश्नचिह्न खड़े करेगा। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें प्रथम चरण की सभी शिकायतों और त्रुटियों का निस्तारण करने के बाद ही द्वितीय चरण की प्रक्रिया संचालित करने, प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए अलग–अलग एईआरओ/ईआरओ अथवा सक्षम अधिकारी की नियुक्ति सुनिश्चित करने, पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुनवाई की तिथि एवं समय का पुनर्निर्धारण करने, सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं को समान अवसर प्रदान करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित करने तथा एसआईआर प्रक्रिया में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण देकर स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही।

प्रधान ने वार्ड सदस्यों के प्रतिनिधियों पर लगाए गंभीर आरोप

विकासनगर। विकासखंड विकासनगर की भीमावाला ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की समीक्षा एवं विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक उस समय विवादों में घिर गई, जब ग्राम प्रधान और वार्ड सदस्यों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर विकास कार्यों में मनमानी, पारदर्शिता की कमी और बैठक की प्रक्रिया का पालन न करने जैसे आरोप लगाए, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। ग्राम प्रधान ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि यह बैठक केवल वार्ड सदस्यों की नियमित बैठक थी। उनका आरोप है कि कई वार्ड सदस्य स्वयं बैठक में उपस्थित नहीं हुए, बल्कि उनकी जगह उनके पति या अन्य प्रतिनिधि बैठक में पहुंचे। प्रधान का कहना है कि नियमों के अनुसार केवल निर्वाचित सदस्य ही बैठक में भाग लेकर अपनी बात रख सकते हैं, जबकि प्रतिनिधियों द्वारा बैठक में हस्तक्षेप किए जाने से कार्यवाही प्रभावित हुई। प्रधान ने आरोप लगाया कि बैठक के दौरान उन्हें डराने–धमकाने का प्रयास

किया गया और जानबूझकर विवाद की स्थिति पैदा की गई। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को लेकर पंचायत पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है, लेकिन कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे घटनाक्रम की शिकायत संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं प्रशासन से की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर वार्ड सदस्यों की ओर से भी पंचायत के कार्यों को लेकर सवाल उठाए गए। उनका आरोप है कि विकास योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले उनकी राय नहीं ली जाती और कई मामलों में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने पंचायत के विकास कार्यों में अधिक पारदर्शिता, सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की सहभागिता तथा वित्तीय एवं प्रशासनिक निर्णयों की जानकारी साझा किए जाने की मांग उठाई।

बिजली कटौती से थत्यूड़ के व्यापारी परेशान

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ बाजार में आए दिन बिजली की कटौती से व्यापारी और स्थानीय लोग परेशान हैं। व्यापारियों ने क्षेत्र के बिजली सब स्टेशन में जाकर विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने ज्ञापन में बाजार के लिए अगल से लाइन बिछाने की मांग उठाई। थत्यूड़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अकबीर पंवार ने कहा कि बाजार में अधिकतर समय बिजली गुल रहने से व्यापारियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग जरूरी काम के लिए बाजार आते हैं लेकिन बिजली नहीं रहने के कारण लोगों के ऑनलाइन कार्य, फोटो काफी सहित अन्य जरूरी कार्य बाधित होते हैं। उन्होंने ईई से थत्यूड़ बाजार के अलग से बिजली की लाइन बिछाने के साथ नियमित आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

जल्द बिजली की समस्या को दूर नहीं की गई तो व्यापारी विभाग के खिलाफ आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस बाबत विभागीय अवर अभियंता विजय रतूड़ी ने कहा कि थत्यूड़ बाजार क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बराबर बनी रहती है। बाजार के लिए अगल से बिजली लाइन का प्रस्ताव उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा।

गजा पीएचसी हुआ अब 30 बेड का सीएचसी

नई टिहरी। नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में गजा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी)के उच्चीकरण की वर्षों पुरानी मांग जल्द पूरी होने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। अस्पताल को 30 बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में उच्चीकृत करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। अस्पताल के उच्चीकरण से निश्चित ही क्षेत्र के लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

गजा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग लंबे समय से की जा रही थी। पीएचसी स्तर पर उचित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलने के कारण लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य एवं वन मंत्री सुबोध उनियाल ने वर्ष 2025 में आयोजित घंटाकर्ण महोत्सव में पहुंचे सीएम के समक्ष यह समस्याएं रखी।

सीएम घोषणा के एक साल बाद ही उप सचिव कृष्ण कुमार शुक्ल की ओर से 24 मई 2026 को पीएचसी गजा का सीएचसी में उच्चीकरण का आदेश जारी किया गया है। उप सचिव ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशक को पत्र भेजकर आईपीएचएस मानकानुसार आवश्यक पदों के सृजन और भूमि–भवन के व्यय भार का अनुमानित लागत का आंकलन कर प्रस्ताव शीघ्र शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

हरिद्वार कांवड़ मेले के पहले दिन बड़ा हादसा: बीच बाजार धंसी सड़क

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में कांवड़ मेले के पहले ही दिन सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। शहर के ललतारौ पुल के पास बीच बाजार में अचानक सड़क धंस गई, जिससे वहां से गुजर रही एक महिला गहरे गड्ढे में जा गिरी। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार सुबह कांवड़ मेले के चलते बाजार में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ थी। इसी दौरान महिला अपने परिजनों के साथ बाजार से गुजर रही थी। जैसे ही उसने होटल के सामने सड़क पर कदम

रखा, अचानक जमीन धंस गई और वह मिट्टी समेत गहरे गड्ढे में जा गिरी। घटना इतनी अचानक हुई कि मौके पर मौजूद लोग कुछ पल के लिए घबरा गए। हालांकि, महिला के गिरते ही उसके परिजन और आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने बिना देर किए उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। राहत की बात यह रही कि महिला को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण और रखरखाव की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। कांवड़ मेले जैसे बड़े आयोजन के दौरान इस तरह की घटना ने प्रशासन की तैयारियों पर भी कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

जंगल में मच्छर व कीट कर रहे परेशान, आबादी में पहुंच रहे हाथी

वर्षा काल में आबादी क्षेत्रों में बढ़ने लगी है हाथियों की धमक, जंगल में मच्छर व कीट से बचने को आबादी का रूख कर रहे हाथी

रामणी-पुलिंडा मार्ग पर घूमते हाथी

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वार : वर्षा काल में जंगलो में पनप रहे मच्छर व अन्य कीट हाथियों को परेशान कर रहे हैं। नतीजा, हाथियों का झुंड इनसे निजात के लिए साफ व खुले स्थानों को तलाश रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों आबादी क्षेत्र के साथ ही कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथियों की धमक बढ़ गई है। शनिवार देर शाम भी हाथियों का एक झुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमक गया था। इससे पहले हाथियों का यह झुंड आमसौड़ गांव में भी दिखाई दिया।

जंगल में घनी झाड़ी, अत्यधिक नमी व कीट-मच्छरों की भरमार ने हाथियों का जीना मुहाल कर दिया है। सुकून की तलाश में हाथी खुले स्थानों की ओर अपना रूख कर रहे हैं। लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटे ग्रास्टनगंज में लगातार हाथियों की धमक बढ़ रही है। दो दिन पूर्व हाथियों ने क्षेत्र के एक शिव मंदिर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

यही नहीं एक बगीचे में पहुंचे हाथियों ने यहां भी खूब उत्पात मचाया। कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी हाथियों की चहलकदमी बढ़ रही है। पिछले कुछ दिन से हाथी हाईवे पर पहुंचकर यातायात को प्रभावित कर रहे हैं। हाईवे पर हाथियों ने धमक ने राहगीरों की चिंता भी बढ़ा दी है। हाईवे के साथ ही हाथियों का झुंड आमसौड़ गांव तक पहुंच रहा है। ग्रामीण पूरी रात उठकर अपनी खेती की रखवाली करने को मजबूर हैं।

चेतावनी बोर्ड तक नहीं

राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन दिनों हाथियों की धमक बढ़ गई है। पांच से अधिक स्थानों पर हाथी जंगल से निकलकर हाईवे पर पहुंचता है। ऐसे में किस मोड पर हाथी टकरा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि वन विभाग जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाकर रहागीरों को सतर्क करता। लेकिन, कहीं भी इस तरह के चेतावनी बोर्ड नजर नहीं आ रहे। ऐसे में कब मानव वन्य जीवन संघर्ष की घटना हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिक विचार मंच की ओर से आर्यकन्या विद्यालय में नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में आमजन और स्कूली विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विचार मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य रेणु नेगी ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि प्रकाश चंद्र कोठारी ने कहा कि युवाओं और विद्यार्थियों को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नही, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या है। इसके उन्मूलन के लिए सभी को मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में शिव प्रकाश कुकरेती, चंद्रप्रकाश नैथानी, राकेश मोहन कोठारी, कृष्ण कुकरेती, एसएन नौटियाल, जेपी ध्यानी, सुनील नवानी, शशि मोहन उनियाल, चिराग कुकरेती, मदन मोहन कोठारी, दीपक कुकरेती, एसडी गौड़ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्यालिंगा जूनियर हाईस्कूल बंद करने के फैसले पर मानवाधिकार आयोग सख्त

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सरोजनी देवी लोक विकास समिति की पहल पर विकासखंड दुगड्डा स्थित राजकीय जूनियर हाईस्कूल स्यालिंगा को यथावत संचालित रखने की मांग अब मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष ने निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, स्कूल शिक्षा निदेशालय उत्तराखंड से 7 अक्तूबर तक विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि विद्यालय के अभिभावकों ने समिति को जानकारी दी थी कि छात्र संख्या निर्धारित मानक से कम होने का हवाला देते हुए शासन विद्यालय को बंद करने की प्रक्रिया में है। इस निर्णय से क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। समिति ने आयोग को भेजे पत्र में बताया कि स्यालिंगा क्षेत्र के बच्चों को विद्यालय पहुंचने के लिए पथरीले और दुर्गम रास्तों के साथ जंगल से होकर गुजरना पड़ता है।

इसके बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए उन्हें इसी विद्यालय में भेज रहे हैं। ऐसे में विद्यालय बंद होने पर बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ उनकी सुरक्षा और शिक्षा का अधिकार भी प्रभावित होगा। मानवाधिकार आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, स्कूल शिक्षा निदेशालय उत्तराखंड से पूरे प्रकरण पर तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब करते हुए 7 अक्तूबर तक आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें शासन और शिक्षा विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

चैतन्य सोलंकर विद्यार्थियों को दे रहे प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : एनएसडी नई दिल्ली की ओर से गढ़वाल विवि के लोककला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र को मिली नाट्य परियोजना के तहत इन दिनों नाट्य कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का संचालन केंद्र के सहायक निदेशक एवं नाटक निर्देशक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में हो रहा है। कार्यशाला में एनएसडी के 2016 बैच के चैतन्य सोलंकर पिछले दस दिनों से विद्यार्थियों को अभिनय, मंचीय अनुशासन, चरित्र निर्माण, दृश्य संयोजन आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रहे हैं। केंद्र के निदेशक गणेश खुगशाल ने इसे विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उपनिदेशक डॉ. संजय पांडे ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के अभिनय, तकनीकी समझ और मंचीय कौशल का विकास करना है।

छात्रों की समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के छात्र-छात्राओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर जय हो छात्र संगठन ने परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने, सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत बैक पेपर वाले विद्यार्थियों को एक ही परीक्षा में अधिकतम चार बैक पेपर देने का विशेष अवसर प्रदान करने तथा परीक्षा परिणामों में हो रही त्रुटियों एवं गड़बड़ियों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की गई। छात्र नेता शिवांश डोभाल के नेतृत्व में परीक्षा नियंत्रक से मिलने पहुंचने छात्रों ने कहा कि परीक्षा परिणामों में देरी से उच्च शिक्षा में प्रवेश एवं अन्य प्रक्रियाओं में विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विवि प्रशासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल, शिवांश डोभाल, हिमांशु भंडारी, दिशांत धनाई, नामित बिष्ट, आयुष, आलोक बिष्ट, अमन सागर शामिल रहे। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि ने प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाई

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत विश्वविद्यालय परिसरों में संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के 5वें, 7वें एवं 9वें सेमेस्टर में प्रवेश की अंतिम तिथि 8 अगस्त तक बढ़ा दी है। पूर्व में यह तिथि 31 जुलाई थी। डीएसडब्ल्यू कार्यालय की ओर से जारी प्रवेश सूचना के अनुसार निर्धारित न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता पूरी करने वाले इच्छुक छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदनपत्र भरकर 8 अगस्त तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। डीएसडब्ल्यू प्रो. ओपी गुसांई ने बताया कि ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करने का पोर्टल 8 अगस्त रात 10 बजे तक खुला रहेगा। अभिलेखों के सत्यापन के बाद छात्र-छात्राएं अपने रोल नंबर का उपयोग कर निर्धारित लिंक के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। (एजेंसी)

मतदाता सूची में प्रत्येक नागरिक का दर्ज किया जाए

श्रीनगर गढ़वाल : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक महानगर अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकार बताया गया। कार्यकर्ताओं ने एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में अनमैप्ड मतदाताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदाताओं का अब तक मैपिंग से बाहर रहना प्रक्रिया की धीमी गति को दर्शाता है।

समरसता संकल्प अभियान की कलश यात्रा का कोटद्वार में भव्य स्वागत

कोटद्वार : संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित समरसता संकल्प अभियान के तहत निकाली जा रही कलश यात्रा शुक्रवार को कोटद्वार पहुंची। कौड़िया चेक पोस्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया और गुरु रविदास महाराज के बताए समरसता एवं मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विधानसभा अध्यक्ष और महापौर शैलेंद्र रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कौड़िया चेक पोस्ट पर एकत्र हुए।

कलश यात्रा के पहुंचते ही वातावरण गुरु रविदास महाराज के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद यात्रा रविदास मंदिर, कौड़िया पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कलश की स्थापना की गई। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि संत गुरु रविदास ने अपने जीवन के माध्यम से समाज को समानता, सेवा, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प अभियान केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में भाईचारा, समान अवसर और सामाजिक एकजुटता को सशक्त बनाने का प्रभावी प्रयास है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष शांता बमराड़ा, मंडल अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, सुरेंद्र आर्य, हंसलता, कमल सैनी, आराधना द्विवेदी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विज्ञान सप्ताह का शुभारंभ, रंगोली में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में महान भारतीय वैज्ञानिक आचार्य डॉ. प्रफुल्ल चंद्र रॉय की जयंती स्मृति में आयोजित विज्ञान सप्ताह का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। वैज्ञानिक उपकरणों पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में सरस, हर्षित, अनुष्का, दिव्या और आरुषि के समूह ने प्रथम, सब जूनियर वर्ग में रेयांश, दिव्यांशु, अक्षत, प्रियांशु और अभिमन्यु के समूह ने प्रथम एवं सीनियर वर्ग में गुंजन, तन्नू, नैतिक, अनुराग व आयुषी के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़, विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक संगीता रावत, संगीता कुकशाल, राहुल भाटिया, पूनम नेगी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती एवं महेंद्र गौड़ ने छात्र-छात्राओं को आचार्य डॉ. प्रफुल्ल चंद्र रॉय के प्रेरणादायी जीवन, वैज्ञानिक योगदान एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान की जानकारी दी गई। तत्पश्चात प्रथम दिवस पर वैज्ञानिक उपकरणों पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के कुल 25 समूहों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन विषयवस्तु, स्वच्छता, कलात्मक प्रस्तुति एवं वैज्ञानिक अवधारणा के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में भूपेंद्र सिंह, राजन कुमार एवं सरोज नेगी शामिल रहे। रंगोली प्रतियोगिता प्रभारी संगीता कुकशाल एवं पूनम नेगी ने छात्र-छात्राओं को विज्ञान सप्ताह के द्वितीय दिवस पर आयोजित होने वाली विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की जानकारी प्रदान करते हुए अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के परीक्षा एवं मीडिया प्रभारी आचार्य रोहित बलोदी, राकेश चमोली, शिवराम बड़ोला, मोहन सिंह, सुबोध ध्यानी, मधुबाला नौटियाल, साक्षी अग्रवाल आदि मौजूद थे।

फार्म फेंसिंग नीति से खेती होगी सुरक्षित, सामुदायिक घेरबाड़ को दें बढ़ावा : डीएम

घेरबाड़ नीति बनेगी किसानों की ढाल, जनपद में बड़े स्तर पर होगा कार्य

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सभागार में फार्म फेंसिंग पॉलिसी (घेरबाड़ नीति) की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सामुदायिक फार्म फेंसिंग के लिए लाभार्थियों के चयन, नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में चाय उत्पादन को बढ़ावा देने तथा चमोली की चाय की प्रभावी ब्रांडिंग और विपणन के लिए भी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की पहचान मजबूत कर किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी जय प्रकाश तिवारी ने बताया कि नई घेरबाड़ नीति के लागू होने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में घेरबाड़ निर्माण की लागत लगभग 1800 से 2000 रुपये प्रति रनिंग मीटर आती थी, जबकि नई नीति के तहत यह लागत घटकर लगभग 572 रुपये प्रति रनिंग मीटर रह जाएगी। इससे अधिक किसानों को कम लागत में अपनी फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि घेरबाड़ का कार्य ग्राम सभाओं, कृषक समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर कराया जाएगा। घेरबाड़ में 75.75 मिमी मेष आकार, 3.15 मिमी मोटाई तथा 1.40 मीटर ऊंचाई वाली गुणवत्ता युक्त जाली का उपयोग किया जाएगा। वर्ष 2026-27 के लिए जनपद में 300 किलोमीटर सामुदायिक घेरबाड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सामुदायिक घेरबाड़ को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसानों की फसलों को जंगली जानवरों से सुरक्षित करना, खेती को लाभकारी बनाना तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को पात्र समूहों की पहचान कर योजना का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य कृषि अधिकारी जय प्रकाश तिवारी, मुख्य उद्यान अधिकारी नितेंद्र सिंह सहित पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यूजी प्रवेश के लिए हेल्प डेस्क समितियां गठित

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक प्रथम सेमेस्टर प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए तीनों परिसरों में हेल्प डेस्क समितियों का गठन किया है। विश्वविद्यालय ने कहा कि अभ्यर्थी प्रवेश, काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन आदि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित परिसर और हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा (नम्बर में)	अनुमानित मूल्य (रु. में)	निविदा खुलने की तिथि
01	GEM/ 2026/B/ 7770028	ओक ग्रोव स्कूल की देखरेख और रखरखाव के लिए न्यूनतम वेतन पर अलग– अलग कैटेगरी में 53 लोगों को आउटसोर्स किया जाना है।	01	1,65,72,994.00	17.08.2026 11:00 AM

नोटः पूर्ण विवरण एवं निविदा की शर्तें वेबसाइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।
सं.: 50-S/LP/2026 दिनांक: 30.07.2026 2641/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रसूता की मौत के मामले में पति ने दर्ज कराई तहरीर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यालय स्थित अस्पताल में ऑपरेशन के बाद देहरादून रेफर हुई प्रसूता की मौत के मामले में पति ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग उठाई है। वहीं, रजनीश के साथ कोतवाली पहुंचे शहरवासियों ने घटना की निंदा करते हुए मामले की जांच और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं सीएमओ का कहना है कि जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। शुक्रवार को मृतका के पति रजनीश लिंगवाल ने पुलिस को तहरीर सौंपी। आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के चलते उन्होंने पत्नी और नवजात को खो दिया। उन्होंने कहा कि पौड़ी में पहले ही स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं। ऐसे में एक निजी अस्पताल के खुलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन इस घटना ने निजी अस्पताल की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को सुबह 10.30 से 11 बजे चिकित्सकों ने गर्भवती का ऑपरेशन किया था। अधिक रक्तस्राव होने के चलते चिकित्सकों ने प्रसूता को देहरादून रेफर किया था जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। वहीं, सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने बताया कि निजी अस्पताल में प्रसूता और नवजात की मौत की जांच के लिए एनएचएम की टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर जिपं सदस्य अनुज कुमार, विनोद दनौसी, मोहित सिंह, मुकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा विस्तार सूचना

इस खण्ड द्वारा पूर्व में आमन्त्रित ई–निविदा सं0 03/EDDN/2026–27 के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश दिनांक 04.08.2026 को 11.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 04.08.2026 को 14.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 04.08.2026 को समय 14.30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्तें पूर्ववत है।

पत्रांक : 578/विविख(नै)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 31.07.2026

अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

प्रेमचंद का साहित्य आज भी सामाजिक चेतना का सशक्त आधार : प्रो. गुप्ता

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग तथा अजीमजी प्रेमजी फाउंडेशन, श्रीनगर के संयुक्त तत्वावधान में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और उनके विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मोनिका गुप्ता ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य केवल हिंदी का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की संवेदना और मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधि साहित्य है। उनके पात्र आज भी सामाजिक असमानता, नैतिक संघर्ष और मानवीय करुणा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं। मुख्य नियंता प्रो. दीपक कुमार ने कहा कि प्रेमचंद ने साहित्य को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बनाया। उनका लेखन समाज में समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की स्थापना का संदेश देता है, जो वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभागाध्यक्ष प्रो. मंजुला राणा ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य भारतीय जीवन-दर्शन, लोकचेतना और सामाजिक यथार्थ का प्रामाणिक दस्तावेज है। नई पीढ़ी को उनके साहित्य से मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। संगोष्ठी के दौरान शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के जीवन एवं साहित्य पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रेमचंद के साहित्य पर आधारित प्रश्नोत्तरी एवं उनके विचारों पर गहन मंथन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अजीमजी प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधि संजय एवं मीमांसा ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रेमचंद का साहित्य शिक्षा, सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा आज के समाज में उनकी वैचारिक विरासत नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक,
अस्थाई निर्माण इकाई,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
102 कण्डोलिया,
देवप्रयाग मोटर मार्ग, क्यूँकालेश्वर
पौड़ी गढ़वाल 246001

दूरभाषः 01368-221293
फैक्स : 01368-221293
ई.मे.:–pm.projectmanager2@gmail.com

पत्रांकः- 923 / जी -05 /51 दिनांकः- 31/05/2026

प्रेस विज्ञप्ति

उत्तराखण्ड शासन "ई" अधिप्राप्ति निविदा सूचना

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	निविदा सं0ः 922 / जी-5 / 50 दिनांक 31/7/26		
	जनपद पौड़ी के अन्तर्गत थाना लक्ष्मणझूला में ट्रॉजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	72.70 लाख	09 माह
2	पोर्टल पर निविदा अभिलेख की उपलब्धता की तिथि एवं समय।	03.08.2026-17.00 बजे	
3	पोर्टल पर निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय।	18.08.2026–17.00 बजे	

निविदा से सम्बन्धित आगामी परिशिष्ट / शुद्धि पत्र/निरस्तीकरण इत्यादि ई अधिप्राप्ति सम्बन्धी सूचना पोर्टल www.uktenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

(वीरेन्द्र प्रसाद)
परियोजनाप्रबन्धक

संपादकीय

गुणवत्ता से समझौता क्यों?

पुल निर्माण के दौरान यदि गुणवत्ता से समझौते के मामले सामने आते हैं भरोसा भी टूटता है। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है, लेकिन यह प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला एक संवेदनशील हिमालयी राज्य भी है। यहां सड़कें और पुल केवल विकास की परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि गांवों, कस्बों और शहरों को जोड़ने वाली जीवनरेखाएं हैं। जब कोई सड़क टूटती है या कोई पुल क्षतिग्रस्त होता है, तो केवल यातायात बाधित नहीं होता, बल्कि लोगों का भरोसा भी टूटता है। हाल के वर्षों में उत्तराखंड में कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां नई–नई बनी सड़कें पहली ही बरसात में उखड़ गईं या पुलों के संपर्क मार्ग धंस गए। हाल ही में देहरादून के नंदा की चौकी क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से बने नए पुल के संपर्क मार्ग के धंसने की घटना ने एक बार फिर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। पहली ही बारिश में यदि किसी नई परियोजना को नुकसान पहुंचता है, तो स्वाभाविक रूप से जनता के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर निर्माण में किस स्तर की सावधानी और गुणवत्ता अपनाई गई थी। निश्चित रूप से उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं। भारी वर्षा, भूस्खलन, बादल फटना और नदियों का तीव्र बहाव अक्सर सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रदेश में हर वर्ष बरसात के दौरान अनेक सड़कें बंद होती हैं और पुल क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं भी सामने आती हैं। लेकिन प्राकृतिक आपदाओं को हर विफलता का बहाना नहीं बनाया जा सकता। यदि इंजीनियरिंग मानकों का पूरी तरह पालन हो, भूगर्भीय अध्ययन सही ढंग से किया जाए और निर्माण सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो, तो नुकसान की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है।

समस्या केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। अक्सर परियोजनाओं को समय से पहले पूरा दिखाने की होड़, निगरानी की कमी और जवाबदेही के अभाव से भी गुणवत्ता प्रभावित होती है। जनता का पैसा विकास कार्यों पर खर्च होता है, इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रत्येक सड़क और पुल वर्षों तक सुरक्षित और मजबूत बने रहें। यदि करोड़ों रुपये की परियोजनाएं कुछ दिनों या महीनों में ही सवालों के घेरे में आ जाएं, तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का भी विषय बन जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सड़क और पुल निर्माण में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। निर्माण सामग्री की स्वतंत्र जांच हो, परियोजनाओं का नियमित ऑडिट कराया जाए और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों तथा ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक मानकों का अधिक उपयोग किया जाए। पुलों और सड़कों का टूटना केवल कंक्रीट और लोहे का टूटना नहीं है, यह जनता के विश्वास पर भी चोट है। इसलिए समय की मांग है कि विकास कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि उत्तराखंड की जीवनरेखाएं हर मौसम की चुनौती का सामना कर सकें।

सडक दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सडक दुर्घटनाओं में कमीं न आना बेहद दुर्भग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलनाए कहीं न कहीं सडक पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज कहीं न कहीं से भीषण सडक दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिल ही जाते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सडक हादसा माना जाता है। सडक हादसों में बेवजह लाखों जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के डेटा पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सडक पर खड़े वाहनों से टकराकर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सडक से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुईए 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं आमने.सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही।

इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना का शिकार हुए जो अन्य क्षति छोडकरए मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गतिए बिना हेलमेटए वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरीए सुस्तीए नींद के झोंकेए वाहन चलाते समय धूम्रपानए शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्सए टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करनेए टायरों पर ध्यान नहीं देने और ज्यादा पुरानेए घिसेए कटे.फटेए क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोगए बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है। गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवर टेक भी वजह है। छोटी सडकों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहाघ् जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपोयग नहीं करना दुर्घटनाओं का सबब बनता है।

ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे.छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कताए थोड़ी सजगता से बड़ी.बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है दुर्घटना से देर भली।

अन्नदाता, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को नई उड़ान

विनोद कुमार सिंह

केंद्रीय मंत्रिमंडल के तीन बड़े निर्णयों से विकसित भारत की आधारशिला होगी और सुदृढ़...

विकसित भारत का निर्माण केवल ऊँची आर्थिक विकास दर से नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक किस सीमा तक पहुँचता है। जब किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो, ऊर्जा के स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हों और युवा अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हो, तभी विकास समावेशी और टिकाऊ बनता है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णय इसी व्यापक सोच और दूरदृष्टि का परिचय देते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि(पीएम- किसान)योजना को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने के लिए लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये तथा खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इन संयुक्त वित्तीय निर्णयों से स्पष्ट है कि सरकार कृषि, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को विकसित भारत की तीन प्रमुख आधारशिलाओं के रूप में देख रही है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देश के करोड़ों किसानों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में स्थिरता और विश्वास का आधार बन चुकी है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं तथा उनके बैंक खातों में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं में शामिल यह कार्यक्रम पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन का भी प्रभावी उदाहरण बन गया है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में किसान की आय में स्थिरता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजार,लघु उद्योग,कृषि यंत्र, उर्वरक, बीज,परिवहन और स्थानीय व्यापार तक दिखाई देता है। यही कारण है कि कृषि क्षेत्र में किया गया प्रत्येक निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहियों को गति देता है।पीएम-किसान योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली है।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुँचने से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि किसानों का सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का यह एक सशक्त उदाहरण माना जा सकता है।हालाँकि केवल आय सहायता ही कृषि की सभी चुनौतियों का समाधान नहीं है। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक,कृषि अनुसंधान,मूल्य संवर्धन,भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था पर समान रूप से निवेश आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में भी समान गति से सुधार आगे बढ़ता है, तो पीएम-किसान योजना का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा।केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना है। लगभग 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य देशभर में जलाशयों,बाँधों और सरोवरों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास करना है। ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत दूरगामी महत्व रखता है।आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। औद्योगिकीकरण, डिजिटलीकरण और शहरीकरण के कारण बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती यह संकेत देती है कि ऊर्जा उत्पादन के स्वच्छ स्रोतों का तेजी से विस्तार समय की आवश्यकता है।फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँ इस दिशा में एक अभिनव समाधान प्रस्तुत करती हैं। जलाशयों की सतह पर स्थापित सौर पैनलों से स्वच्छ बिजली का उत्पादन बढ़ता है, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता कम होती है तथा जल के वाष्पीकरण में भी उल्लेखनीय कमी आती है।इस प्रकार एक ही परियोजना ऊर्जा उत्पादन और जल संरक्षण–दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है।भारत ने पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है।सूर्य सरोवर योजना उस यात्रा को नई गति प्रदान करेगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत बनाएगी।सूर्य सरोवर योजना का महत्व केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है।यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता,पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का संकल्प लिया है। ऐसे समय में जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे कृषि योग्य भूमि सुरक्षित रहती है। जलाशयों की सतह पर लगे सौर पैनल पानी के वाष्पीकरण को कम करते हैं, जिससे जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।साथ ही जल की ठंडक के कारण सौर पैनलों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस प्रकार यह योजना ऊर्जा, पर्यावरण और जल प्रबंधन–तीनों क्षेत्रों में एक साथ सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीसरा महत्वपूर्ण निर्णय खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को स्वीकृति देना है।पिछले एक दशक में भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक,पैरालंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।इन सफलताओं के पीछे खेल अवसंरचना का विस्तार,प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खेलो इंडिया मिशन के नए चरण का उद्देश्य देशभर में खेल संस्कृति को और मजबूत करना, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान करना, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना तथा खेल विज्ञान, पोषण, खेल चिकित्सा और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है।भारत यदि वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करना चाहता है, तो ऐसी योजनाएँ आधारभूत भूमिका निभाएँगी।वास्तव में इन तीनों निर्णयों का सामूहिक विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार ने विकास की ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है,जिसमें अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा, हरित ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और युवा शक्ति के माध्यम से मानव संसाधन विकास को समान महत्व दिया गया है।यही विकसित भारत की वह अवधारणा है जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व भी शामिल है।लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय संकल्प वाले ये निर्णय केवल बजटीय घोषणाएँ नहीं हैं,बल्कि देश के भविष्य में किया गया दीर्घकालिक निवेश हैं। कृषि क्षेत्र में स्थिर आय, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार और खेल प्रतिभाओं का विकास–ये तीनों मिलकर भारत की उत्पादक क्षमता,सामाजिक पूंजी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की वास्तविक सफलता उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुँचे, सूर्य सरोवर योजना की परियोजनाएँ समयबद्ध ढंग से पूरी हों और खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत तैयार होने वाली सुविधाएँ वास्तव में खिलाड़ियों तक पहुँचें - यही इन निर्णयों की सफलता का वास्तविक पैमाना होगा।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निगरानी और पारदर्शी कार्यप्रणाली इन योजनाओं को अपेक्षित परिणाम तक पहुँचाने में निर्णायक सिद्ध होगी।31 जुलाई 2026 की केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय यह संदेश देते हैं कि भारत अब विकास के ऐसे मॉडल की ओर बढ़ रहा है,जहाँ किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि आर्थिक विकास का आधार है; स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की शक्ति है; और युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार है।यदि इन योजनाओं का क्रियान्वयन घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ,तो आने वाले वर्षों में यह दिन भारतीय विकास यात्रा के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में याद किया जाएगा, जब सरकार ने कृषि,हरित ऊर्जा और युवा शक्ति–इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ नई दिशा देकर विकसित भारत के संकल्प को और अधिक ठोस आधार प्रदान किया।

सिर्फ कठोर कानून बनाना किसी समस्या का समाधान नहीं है

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा?

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और रू.50 लाख तक के जुर्माने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुमार्ना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है। क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैंसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था। सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एन्क्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एन्क्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

दूसरा कदम एआई निगरानीः परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

तीसरा कदम प्रशासनिक एवं परीक्षा संचालन में सुधार चरणबद्ध ऑनलाइन परीक्षाएं : बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए।सुरक्षित प्रिंटिंग कमांडः परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले ऑन-डिमांड प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी): आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर सोर्स (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। इसलिए, प्रश्न पत्र बनाने वाले और उसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए।

चौथा कदम सख्त कानूनी और संस्थागत उपाय त्वरित अदालतें और स्पेशल टास्क फोर्सः पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो और फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए दोषियों को तुरंत सजा मिले।सर्विस प्रोवाइडर्स पर शिकंजाः परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों को गड़बड़ी पाए जाने पर हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनकी संपत्ति जब्त की जाए। योग्यता-आधारित रोजगार व्यवस्था डिग्री के बजाय स्किल टेस्टः यदि सरकारी और निजी नौकरियों में भर्ती का आधार केवल एक लिखित परीक्षा या डिग्री न होकर व्यावहारिक योग्यता, कौशल परीक्षण और प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो हो, तो एकल परीक्षा का दबाव और उसमें धोखाधड़ी करने की होड़ अपने आप कम हो जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपॉइंट पर हुआ जोरदार धमाका, सात पुलिसकर्मी की मौत और 22 घायल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। इस बीच पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तान के उत्तरी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में आतंकवादियों के एक ग्रुप ने पुलिस चेकपॉइंट पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर तारिक हबीब ने बुधवार देर रात स्थानीय मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए और छह दूसरे घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में क्लीयरेंस ऑपरेशन जारी है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को आतंकियों ने लगातार निशाना बनाया है, जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं। इससे पहले 23 जुलाई को खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें सुरक्षा कर्मियों, पुलिस और वन विभाग के एक अधिकारी समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हुई थी। वाशिंगटन अमेरिका में सात साल से रहने वाले भारतीयों को अब ग्रीन कार्ड मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी आप्रवासन को लेकर नया प्रस्ताव आया है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने नया बिल पेश किया है। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त आप्रवासन नीति के जवाब में लाया गया है। इस बिल का मकसद अमेरिका में कम-से-कम सात साल से लगातार रह रहे भारतीयों को ग्रीन कार्ड देना है। इससे एच-1बी वीजाधारकों को खास फायदा मिल सकता है। इस प्रस्ताव से 80 लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा। पैडिला के मुताबिक, कांग्रेस इन लोगों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। हालांकि, रिपब्लिकन इसके उलट काम कर रहे हैं, इसलिए बिल का पास होना फिलहाल मुश्किल लगता है।

नेपाल : सांप्रदायिक हिंसा पर सर्वदलीय बैठक, शांति की अपील

सुनसरी , एजेंसी। पूर्वी नेपाल के सुनसरी जिले में दो धार्मिक समुदायों के बीच हुई हिंसा के बाद बुधवार को सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। आठ राजनीतिक दलों के नेताओं ने साझा बयान जारी कर सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता और शांति बनाए रखने की अपील की है। रविवार को भारत सीमा से सटे कप्तानगंज में झड़प के दौरान पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने घटना पर दुख जताते हुए पीड़ितों को न्याय का आश्वासन दिया है।

कांगो में तेजी से फैल रहा इबोला, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- प्रयासों में तेजी लाना जरूरी

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला से निपटने के प्रयासों को बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि महामारी का फैलाव बचाव के प्रयासों की तुलना में बहुत तेजी से हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ इबोला समन्वयक जूलियन हार्नीस और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने बुधवार (स्थानीय समय) को डीआरसी के इतुरी प्रांत की राजधानी बूनिया से एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में यह अपील की। ??बूनिया इबोला के प्रकोप का केंद्र भी है। हार्नीस ने कहा, 'पिछले 24 घंटों में कांगो में इबोला से 50 लोगों की मौत हुई है और मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो हर 20 दिन में दोगुनी हो रही है। यह हमारे बचाव के प्रयासों की गति की तुलना में कहीं अधिक तेज वृद्धि है और इसलिए महामारी और हमारे बचाव के प्रयासों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। स्काऊ ने कहा कि डीआरसी में इबोला का प्रकोप अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला संकट है। 'तुलना करें तो, पिछले दो महीनों में (डीआरसी में) 1,000 लोगों की मौत हुई है। जबकि पश्चिम अफ्रीका में 8 महीने में 1,000 लोगों की मौत हुई थी।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बचाव के प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की मांग की। स्काऊ ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग खाद्य असुरक्षा के संकट या आपातकालीन स्थिति में हैं। इबोला के प्रकोप का केंद्र इतुरी सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 20 लाख (2 मिलियन) लोगों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है। हार्नीस ने कहा, 'बचाव के प्रयासों को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें अधिक फंडिंग, आपूर्ति, चिकित्सा दल और जरूरतमंदों तक पहुंच शामिल है।

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा, अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे।

ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी। सैन्य कार्रवाई रोकने का विधेयक फिलहाल अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी कमेटी के पास है।

ट्रंप के हमलों के बाद बढ़ी थी मांग

पिछले हफ्तों में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक सांसद और कुछ रिपब्लिकन सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि युद्ध जैसे बड़े फैसले संसद की मंजूरी से ही हों। उनका तर्क है कि संविधान के मुताबिक युद्ध घोषित करने का अधिकार कांग्रेस के पास हैं, राष्ट्रपति के पास नहीं है। लेकिन गुरुवार की वोटिंग में रिपब्लिकन बहुमत ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। उनका कहना है कि विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में राष्ट्रपति को तेजी से फैसला लेने की आजादी मिलनी चाहिए।

ईरान ने दी अमेरिका को चेतावनी

इस बीच ईरान से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि केश्म आईलैंड पर हुई अमेरिकी बमबारी में नागरिकों की मौत के लिए पूरी तरह से अमेरिका जिम्मेदार है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि अमेरिका को इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। केश्म आईलैंड पर हुए हमले में कितने लोग मारे गए, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। लेकिन ईरानी मीडिया ने इसमें कई आम नागरिकों के मारे जाने का दावा किया है।

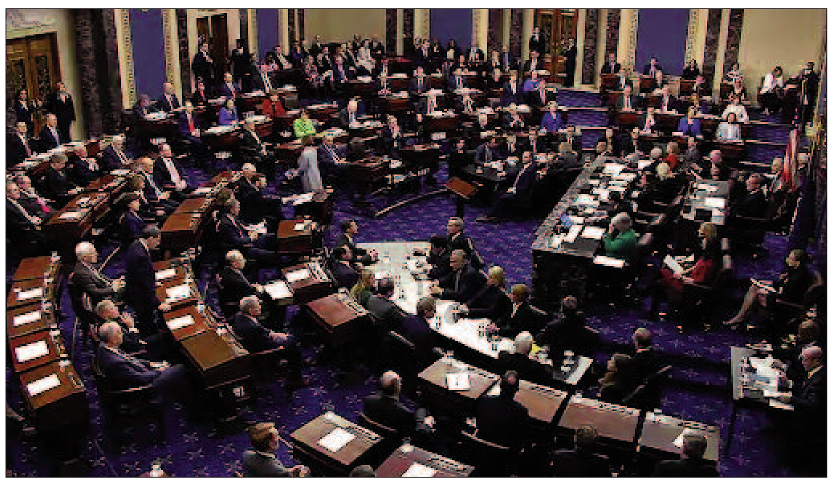

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा; मॉल के मलबे में रेस्क्यू जारी

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं।

यात्सुशिरो शहर की निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में चिमनी गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख : प्रधानमंत्री तकाइची ने भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार तेजी से नुकसान का जायजा ले रही है। सभी संबंधित मंत्रालय और सरकारी एजेंसियां राहत और बचाव के शुरुआती काम में जुटी हुई हैं।

450 राहत शिविर बनाए गए

प्रधानमंत्री ने बताया कि लगभग 450 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां करीब 7,700 लोग ठहरे हुए हैं। सरकार इन शिविरों में खाना-पानी, बिस्तर, सफाई का सामान, टॉयलेट पेपर, एयर कंडीशनर और बिजली की व्यवस्था जैसी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने में लगी हुई है।

राहत-बचाव अभियान हुआ तेज : उन्होंने कहा 'मैंने अधिकारियों से फिर कहा है कि वे प्रभावित लोगों और स्थानीय प्रशासन की जरूरतों को ठीक से समझें और राहत शिविरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें। खासकर गर्मी को देखते हुए हीट स्ट्रोक से बचाव के पूरे इंतजाम किए जाएं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में लोग अपनी गाड़ियों में रह रहे हैं, इसलिए मैंने पर्याप्त पेट्रोल उपलब्ध कराने और स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि लंबे समय तक गाड़ी में बैठे रहने से होने वाली 'इकोनॉमी क्लास सिंड्रोम' जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके।

बिजली-पानी बहाल करने पर जोर

उन्होंने कहा कि सरकार बिजली और पानी जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वहीं, जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्स पानी पहुंचाने और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने का काम कर रही है।

पीएम ने बुलाई आपात बैठक : बुधवार को प्रधानमंत्री तकाइची ने कुमामोटो भूकंप को लेकर दूसरी आपातकालीन आपदा प्रबंधन बैठक की। इस बैठक में कुमामोटो के गवर्नर किमुरा और कैबिनेट कार्यालय के उपमंत्री त्सुशिमा ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर किया पोस्ट : उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'बचाव और राहत अभियान के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्स के जवानों की संख्या बढ़ाकर लगभग 4,600 कर दी गई है। इसके अलावा करीब 2,000 पुलिसकर्मी और 1,400 अग्निशमन कर्मी भी लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। उन्होंने लिखा, 'राहत-बचाव का काम समय के खिलाफ एक दौड़ है। 'आईओएन मॉल कुमामोटो' और 'निप्पॉन पेपर यात्सुशिरो मिल' समेत कई जगहों पर अभी भी लोग फंसे हुए हैं और उन्हें बचाए जाने का इंतजार है।

मौत की सजा और गिरफ्तारी के खतरे के बावजूद दिसंबर तक बांग्लादेश लौटेंगी हसीना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर अपने देश लौटने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बड़ा बयान दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी को दिए ईमेल इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह इस साल दिसंबर तक हर हाल में अपने देश बांग्लादेश लौटेंगी, चाहे उन्हें गिरफ्तार किया जाए, जेल भेजा जाए या फांसी का सामना करना पड़े। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद सत्ता छोड़कर भारत आई शेख हसीना फिलहाल दिल्ली में निर्वासन का जीवन बिता रही हैं।

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इसके बावजूद हसीना का कहना है कि वह अपने लोगों की पुकार पर वापस लौटेंगी और अदालत का सामना करेंगी। इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि मृत्यु भी आए तो वह अपनी मातृभूमि पर आए, जहां उनके माता-पिता दफन हैं। हसीना के इस बयान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर भुचाल आ गया है।

मौत की सजा के बावजूद वापसी का ऐलान

बता दें कि इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक देश लौटने और अदालत का सामना करने की बात कही थी, ताकि वह अपने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हो सकें जिनका दमन किया जा रहा है।

मेरी मौत मेरे देश में हो- शेख हसीना

शेख हसीना ने आगे कहा था कि 'मैं चाहती हूं कि अगर मौत आए तो मेरी अपनी धरती पर आए, जिस स्थान पर मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।' उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान 1975 में एक सैन्य विद्रोह में मारे गए थे। जिसके बाद सैनिकों की एक टुकड़ी ने राष्ट्रपति आवास के अंदर घुसकर शेख मुजीबुर रहमान के साथ उनकी पत्नी और बेटों की भी निर्मम हत्या कर दी थी। इस हमले में शेख मुजीब की केवल दो बेटियां, शेख हसीना और शेख रेहाना ही जिंदा बची थीं, क्योंकि वे बांग्लादेश से बाहर थीं।

जॉर्डन हमले का अमेरिका ने लिया बदला: ईरान के कई ठिकानों पर बरसाए बम

वाशिंगटन, एजेंसी। जॉर्डन में अपने सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के कई रक्षा और मिसाइल ठिकानों पर जोरदार पलटवार किया है। इस भीषण सैन्य कार्रवाई और समुद्री हमलों के कारण पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ गया है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसके बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमान के मुताबिक, यह अभियान करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। हमलों में सैन्य कमान केंद्र, मिसाइल और ड्रोन से जुड़े ठिकानों के अलावा कुछ वायु रक्षा प्रणालियों पर भी हमला किया गया।

ट्रंप ने क्या-क्या कहा : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले का जवाब देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों और हितों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। उधर, ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित केशम द्वीप पर दो लोग घायल हुए हैं। वहीं दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम इलाकों में कई धमाकों की भी खबर है।

किन-किन देशों तक पहुंचा संघर्ष : तनाव का असर अब दूसरे देशों में भी दिखने लगा है। मिस्र के दमिएटा बंदरगाह पर खड़े दो गैस जहाजों पर ड्रोन हमले की खबर है। हमले के बाद दोनों जहाजों में आग लग गई। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि ईरान समर्थित इराकी गुटों ने उसके तेल ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं यमन के हूथी विद्रोहियों ने सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमले की जिम्मेदारी ली है।

तेल बाजार पर क्या असर : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 7.3 प्रतिशत बढ़कर 88.09 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अरब देशों की मध्यस्थता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। फिलहाल किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। लगातार बढ़ते संघर्ष ने पूरे क्षेत्र में युद्ध का खतरा और बढ़ा दिया है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता गहरा गई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने के लिए ओमान, कतर और कुछ अन्य खाड़ी देश लगातार मध्यस्थता की कोशिश कर रहे थे। हालांकि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले और उसके बाद अमेरिका की बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के बाद बातचीत की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई है। दोनों देशों की ओर से फिलहाल किसी औपचारिक वार्ता की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में निकट भविष्य में युद्धविराम या तनाव कम होने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है जॉर्डन की सेनाओं ने कहा कि गुरुवार तड़के ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

नेतन्याहू से मुलाकात के अगले दिन ही एक्शन में डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका ने ईरान पर फिर किया अटैक

वाशिंगटन , एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वाइट हाउस में हुई मुलाकात के अगले ही दिन पश्चिम एशिया में तनाव फिर चरम पर पहुंच गया है। कूटनीतिक बातचीत के बीच अमेरिका ने ईरान पर दोबारा हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के मुताबिक यह कार्रवाई जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में की गई है। पहले से ही जारी तनातनी के बीच अब ताजा हमलों ने चिंताएं और बढ़ा दी है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू से करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की थी।

इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने रिश्ते को बेहद सकारात्मक भी बताया था। दोनों पक्षों ने एक बयान जारी कर ईरान पर एकजुटता का संदेश भी दिया था। यह अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी में शुरू हुए युद्ध के बाद से ट्रंप और नेतन्याहू की पहली मुलाकात थी।

इस बैठक के तुरंत बाद ईरान ने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि दावा है कि अमेरिकी रक्षा प्रणालियों ने सभी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्थानीय समयानुसार बुधवार रात 8 बजे से ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिए।

ट्रंप ने दी थी चेतावनी : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्डन में अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान को करारा जवाब देगा और उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बता दें कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच बीते जून महीने में हुआ समझौता पहले ही टूट गया था। अमेरिका ने जुलाई में करीब 2 सप्ताह तक ईरान पर लगातार हवाई हमले किए।

पीओके में प्रदर्शन बना खूनी संघर्ष?: पाक सेना की फायरिंग में 40 की मौत, यूएन पहुंचा मामला; दमन रोकने की मांग

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के लॉन्ग मार्च पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की अंधाधुंध फायरिंग में 40 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हिंसा के बाद पीओके के कई इलाके सुलग उठे हैं और मामला अब संयुक्त राष्ट्र के दरबार में पहुंच गया है। कमेटी की अगुवाई में 5 जून से जारी इस आंदोलन में आम लोग स्थानीय नागरिकों के आर्थिक व नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। जब हजारों प्रदर्शनकारी सफेद झंडे लेकर रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर बढ़े, तो पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उन पर सीधी गोलियां और आंसू गैस के गोले बरसाए। घटना के बाद मानवीय संकट गहरा गया।

जम्मू-कश्मीर ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन ने संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क को ज्ञापन सौंपकर हिंसा पर तत्काल रोक की मांग की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि निहत्थे नागरिकों पर सीधी गोलीबारी तुरंत रोकी जाए। रावलकोट में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ और मानवीय सहायता टीमें पहुंचाई जाएं। इधर मुजफ्फराबाद स्थित ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, रेड क्रॉस, एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच से यही अपील की है।

बच्चों के साथ महिलाओं पर हुए अत्याचार

स्थानीय कार्यकर्ताओं के अनुसार, बाग, कोटली, मीरपुर, रावलकोट व मुजफ्फराबाद के आवासीय इलाकों में सेना की छापेमारी और लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं और नाबालिग बच्चों को भी निशाना बनाया गया है। घटना के हफ्तों बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान सरकार की ओर से हताहतों के आधिकारिक और एकीकृत आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं, जिसे लेकर नागरिक समाज में काफी आक्रोश है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सरकार प्रदर्शनकारियों से कोई बातचीत नहीं करेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखते हुए उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन बताया। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में आसिफ ने कहा, प्रदर्शनकारियों से कोई संवाद नहीं होगा। मैं उन्हें भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन मानता हूं। उन्होंने साफ किया कि सरकार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं है।

परिजनों का लाश भी नसीब नहीं : प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अधिकारियों द्वारा मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपने से रोका जा रहा है। रिश्तेदारों की सहमति के बिना ही शवों को दफनाया जा रहा है। आरोप है कि कुछ शवों को बेहद अपमानजनक तरीके से घसीटकर वाहनों में लादा गया। आंदोलनकारियों ने पाकिस्तानी मीडिया पर हिंसा के वास्तविक आंकड़ों को छिपाने और आंदोलन की गलत तस्वीर पेश करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जारी वीडियो और स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के बयान यह दर्शाते हैं कि स्थिति सरकारी दावों से कहीं अधिक भयावह है।

सलमान रुश्दी हमला मामला: अमेरिकी अदालत ने हादी मातार को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने वर्ष 2022 में न्यूयॉर्क में लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने के मामले में एक अमेरिकी नागरिक को संघीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराया है। बफेलो (न्यूयॉर्क) की एक संघीय जूरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के फेयरव्यू निवासी हादी मातार को दोषी करार दिया। उसे प्रतिबंधित विदेशी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला को मदद देने की कोशिश करने, अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े आतंकवादी कृत्य में शामिल होने और आतंकवादियों को सहायता देने के आरोपों में दोषी पाया गया। न्यूयॉर्क के पश्चिमी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी माइकल डीजियाकोमो ने कहा कि अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े हादी मातार (28 वर्षीय) ने अपने मूल्यों को ईरान के नेताओं की उस आतंकवादी सोच के साथ जोड़ लिया, जो अक्सर हिंसा और इस मामले में हत्या की अपील करते हैं। 12 अगस्त 2022 को मातार ने सलमान रुश्दी की हत्या करने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने यह हमला 1988 में प्रकाशित रुश्दी के उपन्यास 'सैटेनिक वर्सेज' को लेकर जारी किए गए फतवे को पूरा करने के मकसद से किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए. आइजनबर्ग ने कहा, मातार ने एक साल से अधिक समय तक हिजबुल्ला की हिंसक विचारधारा को अपनाया। ईरान के अयातुल्लाओं की ओर से जारी उस फतवे को लागू करने की तैयारी की, जिसमें रुश्दी की हत्या की बात कही गई थी।

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य Lady Fingerv रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है।

भिंडी की खेती-बुआई एवं खेत की तैयारी

इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। म.प्र. में लगभग 23500 हे. में इसकी खेती होती है। प्रदेश के सभी जिलों में इसकी खेती की जा सकती है।

अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उत्तम किस्में

पूसा ए-4

यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।

यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई है।

यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील है।

यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।

फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।

बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति है।

परभनी क्रांति

यह किस्म पीत-रोगरोधी है।

यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ाई कृषि विश्वविद्याल य, परभनी द्वारा निकाली गई है।

फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते हैं।

फल गहरे हरे एवं 15-18 सेंमी लम्बे होते हैं।

इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है।

पंजाब-7

यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई है। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते हैं। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है।

अर्का अभय

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं।

फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती है।

यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।

पैदावार 12-15 टन प्रति है हो जाती हैं।

हिसार उन्नत

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।

पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है होती हैं।

फल 15-16 सेंमी लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।

यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

वर्षा उपहार

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।

पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बड़े लोब्स वाली होती है।

वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरु हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।

फल चौथी पांचवी गाठों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति हे. होती हैं।

इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

वी.आर.ओ.-6

इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।

यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।

इंटरनोड पासपास होते हैं।

औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरु हो जाते हैं।

गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमश: 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई

नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि

जैट्रोफा की खेती

परिचय

झारखंड की जलवायु तथा मिटटी जैट्रोफा की खेती के लिए उपयुक्त है। सभी 24 जिलों में वृहत जलवायु तथा समशीतोष्ण प्रक्षेत्रों में पथरीले, रेतीले, कम उपजाऊ तथा बंजर भूमि पर खेती की जा सकती है। दोमट भूमि में खेती अच्छी होती हैं, परन्तु जल जमाव वाली जमीन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। अन्य प्रदेशों में जैसे मध्य प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि के किसान भी जैट्रोफा की खेती करते है।

कैसे करें रतनजोत की खेती

जैट्रोफा को आम भाषा में रतनजोत कहा जाता है। इसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 नामों से जाना जाता है जैसे सफेद अरण्ड, जंगली अरण्ड, बाघ्र अरण्ड, चद्‌र्जोत, जमालगोटा आदि। इसका वैज्ञानिक नाम फ्जैट्रोफा करकसफ्र है। किसान जुलाई माह में जैट्रोफा के बीज सीधी बुआई द्वारा तैयार गड्ढों में कर जैट्रोफा के पौधे उगा सकते है। बोने के पहले बीज को 12 घंटों तक पानी में भिंगोते हैं।

नर्सरी में तैयार पौधों को किसान अपने बंजर भूमि एवं खेतों के मेड़ों में लगा सकते है। नर्सरी में तैयार करने के लिए मार्च-अप्रैल महीने में 1 मी. × 10 मी. तथा 5 सें.मी. दूरी पर 2 सें.मी. की गहराई पर बोयें। इसे कटिंग द्वारा भी लगाया जा सकता है। कटिंग 2-3 माह बाद नर्सरी बेड से रोपाई वाले क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में लगाते हैं।

प्रभेद - आर जे-117 जी.आई.ई. नागपुर, बामुंडा तथा एसडीएयूटी-1 अधिक उपज देती है।

उपज- दिसम्बर-जनवरी में काले रंग के फलों को तोड़ लेते है। तीसरे वर्ष किग्रा. बीज प्रति पौधा प्राप्त होता है। पौधे वर्ष में 1 किग्रा./पौधा तथा आगे प्रति वर्ष उपज बढ़ती है। स्वस्थ एवं मजबूत पौधे होने पर 3-4 किग्रा. प्रति पौधा की दर से उपज प्राप्त कर सकते है। प्राय- 6-10 रु./किग्रा. बीज की विक्रय दर से आय प्राप्त कर सकते है। पेराई कर तेल बेचने पर अधिक आय मिलती है।

जैट्रोफा की खेती-किसानों के लिए उपयोगी

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर जैट्रोफा की खेती रोजगार के रूप में की जा सकती है। गाँवों की पथरीली एवं बंजर भूमि पर इसकी खेती कर के रोजगार एवं आय का सरल स्त्रोत माना जा सकता है। पौधों को जंगली पशु, पालतू पशु एवं फलों एवं बीजों को चिड़ियों से नुकसान नहीं होता है। अच्छी रख-रखाव होने से 30-40 वर्षो तक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इसका उपयोग जैव इंधन, औषधि, जैविक खाद, रंग बनाने, भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, खेत की मेड पर बाड़ के रूप में तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए करते है।

रविग्राम मिनी स्टेडियम परियोजना को लेकर हितधारकों के साथ किया मंथन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार गोपेश्वर में जोशीमठ के रविग्राम में प्रस्तावित मिनी स्टेडियम निर्माण परियोजना की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यदायी संस्था पेयजल निगम, युवा कल्याण विभाग तथा अन्य संबंधित हितधारकों के साथ परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि रविग्राम मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए 9.48 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके सापेक्ष 3 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत 95.42 मीटर क्षेत्रफल में चार लेन सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ट्रैक

के मध्य भाग में विभिन्न खेलों के लिए इनफील्ड कोर्ट, कार्यालय भवन, चेंजिंग रूम तथा अन्य आवश्यक खेल अवसंरचनाओं का विकास भी किया जाना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्टेडियम से संबंधित सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से किए जाएं, ताकि खिलाड़ियों को आधुनिक एवं सुविधायुक्त खेल परिसर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि परियोजना के प्रत्येक चरण में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी जोशीमठ को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्था, एनटीपीसी तथा अन्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करें, ताकि निर्माण कार्य में आने वाली सभी तकनीकी आवश्यकताओं का समय रहते समाधान किया जा सके और परियोजना को शीघ्र गति प्रदान की जा सके। बैठक में उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ, जिला युवा कल्याण अधिकारी धीरेन्द्र द्विवेदी, ऋषि प्रसाद सती, प्रवेश डिमरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खतरे के निशान से नीचे बह रही अलकनंदा नदी

श्रीनगर गढ़वाल : ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से शुक्रवार सुबह श्रीनगर में अलकनंदा का जलस्तर बीते दिनों की तुलना में अधिक दर्ज किया गया जिससे अल्केश्वर घाट जलमग्न हो गया। हालांकि नदी अभी चेतावनी और खतरे के निशान से नीचे बह रही है। शुक्रवार सुबह अलकनंदा नदी का जलस्तर 534.90 मीटर दर्ज किया गया। सुबह से ही नदी का बहाव तेज बना रहा और अल्केश्वर घाट पानी में डूबा रहा। दोपहर के बाद जलस्तर में हल्की कमी दर्ज की गई, लेकिन नदी का प्रवाह सामान्य से अधिक बना रहा। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार अलकनंदा नदी अभी 535 मीटर के चेतावनी स्तर और 536 मीटर के खतरे के निशान से नीचे बह रही है। वर्तमान में किसी प्रकार का खतरा नहीं है, फिर भी लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नदी के जलस्तर की नियमित निगरानी की जा रही है। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य शिविर में 135 लोगों ने कराई जांच

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय श्रीकोट गंगानली में रोटरी क्लब की ओर से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 92 बच्चों और 43 महिलाओं समेत 135 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में डॉ. मारिशा पंवार ने पोषण व स्वच्छता की जानकारी दी तथा डॉ. गोविंद पुजारी ने बच्चों की जांच कर टीकाकरण की अपील की। इस दौरान गुलदार के हमले से दिव्यांग हुई पूर्व छात्रा शिया को पूर्व सभासद पूजा गौतम व संजय गौतम ने व्हीलचेयर भेंट की। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल ढौंडियाल, उर्मिला बधानी, आकाश बिष्ट, प्रधानाध्यापिका रश्मि गौड़ और सीताराम बहुगुणा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनुपयोगी और लटकते तारों से मिलेगी निजात

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के वार्ड संख्या-30 भक्तियाना स्थित शक्ति विहार में बिजली के खंभों पर इंटरनेट और केबल कंपनियों के अनुपयोगी तारों का जाल स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। कई स्थानों पर तारों के गुच्छे खंभों से नीचे सड़क के बेहद करीब लटक रहे हैं जिससे खतरा बना हुआ है। वार्ड में करीब 10 से 12 बिजली के खंभों पर ऐसी स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम से जल्द समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। वार्ड पार्षद हिमांशु बहुगुणा ने बताया कि इंटरनेट और केबल सेवा से जुड़ी सभी संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी कर 10 दिनों में अनुपयोगी और लटकते तार हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि निर्धारित समय में एजेंसियों ने कार्रवाई नहीं की तो नगर निगम स्वयं इन तारों को हटाने की कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही संबंधित एजेंसियों के खिलाफ चालान भी किया जाएगा। (एजेंसी)

पुलिस कर्मियों के कल्याण हेतु नई टिहरी में भूमि आवंटित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य सरकार पुलिस कर्मियों के कल्याण और उनके लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासन ने जनपद टिहरी गढ़वाल के अंतर्गत पुलिस विभाग को आवंटित आवासीय भवन संख्या-12, सी-ब्लॉक टाइप-3 के समीप स्थित 90 वर्गमीटर रिक्त भूमि को पुलिस विभाग के कल्याणार्थ निःशुल्क आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम द्वारा जिलाधिकारी एवं पुनर्वास निदेशक, टिहरी बांध परियोजना, नई टिहरी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। शासन ने निर्देशित किया है कि नियमानुसार भूमि का निःशुल्क आवंटन सुनिश्चित करते हुए की गई कार्रवाई से शासन को भी अवगत कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इससे पुलिस विभाग को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास में सहायता मिलेगी तथा पुलिस कर्मियों के कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

गदेरों का जलस्तर बढ़ने पर फूलों की घाटी बंद रखी

ज्योतिर्मठ। लगातार हो रही बारिश के कारण फूलों की घाटी जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाले गदेरों का जलस्तर बढ़ने पर शुक्रवार को फूलों की घाटी को बंद रखा गया। यदि मौसम सामान्य रहा तो शनिवार को घाटी खोली जाएगी। फूलों की घाटी जाने वाले पैदल मार्ग पर कई जगह पर गदेरे बहते हैं और लगातार हो रही बारिश के कारण जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में यहां से गुजरना जोखिम भरा हो सकता है। अब फूलों की घाटी का यह पीक सीजन है और देश विदेश के पर्यटक घाटी में काफी तादात में पहुंच रहे हैं। इस कारण शुक्रवार को फूलों की घाटी बंद रखी गई।

मूसलाधार बारिश से आफत, अचानक बढ़ा भट्टा फॉल का जलस्तर

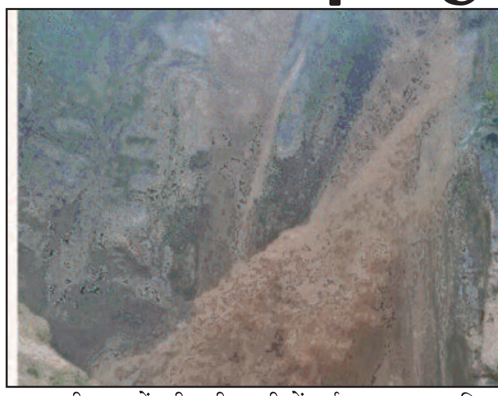

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में हुई मूसलाधार बारिश के बाद प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भट्टा फॉल का जलस्तर अचानक बढ़ गया। झरने में तेज बहाव के साथ पानी अपने रौद्र रूप में दिखाई दिया, जिससे मौके पर मौजूद पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो अपने कैमरे में कैद किया । शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण शहर का अधिकांश वर्षा जल भट्टा फॉल की ओर बहकर पहुंचता है। लगातार हो रही बारिश से झरने में पानी की मात्रा कई गुना बढ़ गई, जिससे तेज गर्जना के साथ पानी नीचे गिरता दिखाई दिया। मानसून के दौरान भट्टा फॉल का यह दृश्य आकर्षक तो होता है, लेकिन तेज बहाव के कारण फॉल अपने रौद्र रुप में दिखाई दिया।

स्थानीय निवासी आशीष पंवार ने बताया कि लगातार भारी बारिश होने पर भट्टा फॉल का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए ऐसे समय में पर्यटकों को झरने के किनारे जाने से बचना चाहिए। उन्होने कहा कि फॉल में भारी मात्रा में पानी बढ़ गया। हालांकि फॉल में पानी बढ़ने के दौरान आसपास कोई पर्यटक मौजूद नही था।

बता दें कि मसूरी में शुक्रवार दोपहर बाद हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया। सुबह तक मौसम साफ रहने और धूप खिलने के बाद दोपहर करीब दो बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे शहर का तापमान गिर गया और मौसम सुहावना हो गया। हालांकि भारी बारिश के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सरकारी स्कूलों में जारी रहेंगे व्यावसायिक पाठ्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पारंपरिक शिक्षा के साथ–साथ छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में इसके लिए अनुबंधित कंपनी का करार खत्म होने पर एक अप्रैल से 200 स्कूलों में यह पाठ्यक्रम प्रभावित हो गया था। प्रदेश के 200 सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम जारी रहेगा। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शासकीय आवास पर हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इसे जारी रखने के निर्देश दिए। मंत्री ने समग्र शिक्षा का बजट खर्च न होने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पारंपरिक शिक्षा के साथ–साथ छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

विकास कार्यों के लिए 227 करोड़ स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 227 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद हरिद्वार में पुलिस चौकी सुल्तानपुर के प्रशासनिक भवन का निर्माण किये जाने हेतु 241.48 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त में 96.59 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने के साथ ही जनपद देहरादून के न्यू कैंट मार्ग 1.650 किमी. मार्ग को 02 लेन से 03 लेन में अपग्रेड करने हेतु यूटिलिटी शिफ्टिंग व वाटर सप्लाई लाईन की शिफ्टिंग कार्य हेतु 11.95 करोड़ की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुंभ मेला-2027 के तहत हरिद्वार ज़िले में चंडी घाट के डाउनस्ट्रीम, गौरीशंकर इलाके में गंगा नदी के बाएँ किनारे पर घाट और आस्था पथ का निर्माण किये जाने हेतु 98.18 करोड तथा चंडी घाट के डाउनस्ट्रीम, बैरागी कैंप क्षेत्र में गंगा नदी के दाहिने किनारे पर घाट और आस्था पथ का निर्माण किये जाने हेतु 115.91 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं पी.एच.डी. की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति के भुगतान हेतु कारगिल शहीद परिवार मुख्यमंत्री सहायता कोष से 36.84 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

पानी के भारी भरकम बिल आने से ग्रामीण परेशान

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के नगुण पट्टी के कौड़ गांव के ग्रामीण पानी के ज्यादा बिल आने से परेशान हैं। उन्होंने विभाग और पूर्व ग्राम प्रधान पर ग्रामीणों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए बिलों को माफ करने की मांग की है।

गांव के बलवीर सिंह, प्यार सिंह, महिपाल सिंह आदि ने बताया जब पानी के कनेक्शन लगाए जा रहे थे तो कई ग्रामीणों ने कनेक्शन लेने से इन्कार कर दिया था। तब जल निगम चंबा के कर्मचारियों और पूर्व ग्राम प्रधान ने कनेक्शन फ्री देने की बात कही थी लेकिन अब विभाग पानी के भारी बिल भेज रहा है। ग्रामीणों को एक हजार से लेकर 15 सौ रुपये तक के बिल भेजे जा रहे हैं। ग्राम प्रधान सबल सिंह रावत ने कहा कि गांव में कई ऐसे घर हैं जहां दो कनेक्शन के बजाय एक ही कनेक्शन दिया जाना था लेकिन विभागीय

कर्मचारियों ने दो–दो कनेक्शन लगाए हैं। विभाग दोनों कनेक्शनों के बिल थमा रहा है। ग्रामीण विभाग से बिलों को माफ करने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन उनकी मांग पर सुनवाई नहीं हो रही है।

अवर अभियंता राजवीर राण का कहना कि 14 किलोमीटर लंबी पेयजल योजना पर करीब 2 करोड़ खर्च हुए हैं। मरम्मत आदि के लिए चौकीदार और प्लंबर को रखा गया है। उनके वेतन और मरम्मत का पैसा ग्रामीणों को देना ही पड़ेगा।

श्रावण मास में शिवमहापुराण विशेष फलदायी

पोखरी। नगर क्षेत्र में स्थित पुष्केश्वर शिवालय में शुक्रवार से सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हो गया। कथा वाचन ब्रजधाम से आई प्रसिद्ध कथा व्यास दीदी श्री कृष्ण प्रिया जी महाराज ने प्रथम दिव शिव महापुराण और भगवान भोलेनाथ पर विस्तार से जानकारी दी। व्यास प्रिया जी महाराज का भव्य कलश यात्रा व पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। कथा व्यास ने कहा कि शिव कथा हर व्यक्ति को नियमित सुननी चाहिए और श्रावण मास में शिव महापुराण का श्रवण विशेष फलदायी होता है। कथा का आयोजन पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी, पुष्केश्वर मंदिर समिति, नगर पंचायत पोखरी और व्यापार मंडल पोखरी की ओर से संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

सुलभ इंटरनेशनल की व्यवस्थाओं से श्रद्धालुओं को मिल रही बेहतर सुविधाएं

यात्रा के पहले 100 दिनों में 223 टन ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा यात्रा मार्ग पर व्यापक स्तर पर स्वच्छता, शौचालय संचालन तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर आधुनिक सुविधाओं के साथ स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं को सुविधा मिल रही है।

यात्रा मार्ग पर संस्था द्वारा कुल 31 सुलभ शौचालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें महिलाओं के लिए 150 तथा पुरुषों के लिए 196 सीटों सहित कुल 346 शौचालय सीटों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक शौचालय में दिव्यांगजन की सुविधा के लिए एक दिव्यांग-अनुकूल शौचालय भी उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त यात्रा मार्ग के 71 विभिन्न स्थानों पर स्टील फ्रेम शौचालय स्थापित किए गए हैं। इनमें महिलाओं के लिए 132 तथा पुरुषों के लिए 162 सीटों सहित कुल 294 सीटों की व्यवस्था है। संस्था ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रा मार्ग के प्रत्येक प्रमुख पड़ाव पर श्रद्धालुओं को शौचालय सुविधा आसानी से उपलब्ध हो। स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाएं रखने के लिए सीतापुर से श्री केदारनाथ धाम तक नियमित रूप से सड़क सफाई एवं सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। इस कार्य में 412 पर्यावरण मित्र तथा 30 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं, जो यात्रा मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में लगातार कार्यरत हैं। कूड़ा प्रबंधन के लिए यात्रा मार्ग पर 100 ट्रॉली डस्टबिन (150 लीटर क्षमता), 200 फ्लैप डस्टबिन (120 लीटर क्षमता) तथा 300 फ्लैप डस्टबिन (100 लीटर क्षमता) स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार कुल 600 डस्टबिन लगाए गए हैं, जिससे ठोस अपशिष्ट के संग्रहण और निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है। ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए सोनप्रयाग में एक कम्पेक्टर मशीन का संचालन किया जा रहा है।

गंगोत्री हाईवे खुला, यमुनोत्री हाईवे स्यानाचट्टी के पास बाधित

उत्तरकाशी/ बड़कोट। जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर भूस्खलन और बोल्डर गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग कई स्थानों पर मलबा और बोल्डर आने के कारण सुबह यातायात के लिए बाधित रहे। गंगोत्री हाईवे को दोपहर तक खोल दिया गया जबकि यमुनोत्री हाईवे स्यानाचट्टी के पास शाम तक भी बंद रहा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गंगोत्री हाईवे पर हेल्गुगाड, डबरानी और सोनगाड सहित भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में सुबह बोल्डर गिरने से यातायात बाधित रहा। बीआरओ की टीम ने मशीनों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद मार्ग से मलबा हटाकर दोपहर तक यातायात सुचारु कराया। वहीं, यमुनोत्री हाईवे पर हनुमान चट्टी, बाडिया, दुर्बिल कट, जंगल चट्टी, बनास, पाली गाड, सिलाई बैंड और स्यानाचट्टी सहित आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित रहा। प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने अधिकांश स्थानों पर मार्ग खोल दिया लेकिन स्यानाचट्टी में लगातार भू–

धंसाव और मलबा आने के कारण शाम तक आवाजाही बहाल नहीं हो सकी।

इस बीच शुक्रवार तड़के स्यानाचट्टी में भूधंसाव से विद्युत लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई जिससे यमुनोत्री धाम और गीठ पट्टी के करीब एक दर्जन गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों के प्रयासों से दोपहर करीब तीन बजे विद्युत लाइन दुरुस्त कर आपूर्ति बहाल कर दी गई। बिजली बहाल होने के बाद यमुनोत्री धाम और आसपास के गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली।

खुली सीवरेज की दुर्गंध से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

बड़कोट। पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज खरादी परिसर से होकर गुजर रही होटलों की खुली सीवरेज लाइन छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य और पढ़ाई के लिए समस्या बन गई है। लाइन से जगह–जगह हो रहे रिसाव के कारण विद्यालय परिसर में गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है। वहीं, दूषित पानी के नाले के माध्यम से यमुना नदी में मिलने के आरोपों ने पर्यावरण प्रदूषण को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। विद्यालय प्रशासन और अभिभावकों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत कई बार अधिकारियों से की जा चुकी है। बीते 23 जनवरी को आयोजित जन शिकायत शिविर में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य को भी लिखित शिकायत सौंपकर सीवरेज लाइन हटाने और तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश के बावजूद छह माह बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

अभिभावक संजय रावत, जनक सिंह, सोबेन्द्र सिंह, गुरुदेव चौहान, नरेश रावत, कैलाश राणा और सुमन भारती ने कहा कि खुले सीवर और दुर्गंध के कारण सैकड़ों छात्र–छात्राओं को परेशानी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि होटलों का गंदा पानी खड्ड के रास्ते यमुना तक पहुंच रहा है, जो जनस्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने विद्यालय परिसर से सीवरेज लाइन तत्काल हटाने, रिसाव रोकने और जिम्मेदार होटल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

यमुनोत्री को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग उठी

बड़कोट। यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने यमुनोत्री धाम को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग उठाई है। समिति का कहना है कि बद्रीनाथ–केदारनाथ और गंगोत्री को नगर पंचायत का दर्जा मिला लेकिन यमुनोत्री को वंचित रखा गया। उत्तराखंड के चारधामों में प्रथम यमुनोत्री धाम आज भी कई आवश्यक सुविधाओं से वंचित है।

समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर यमुनोत्री धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य करवाने की मांग रखी। ज्ञापन में कहा गया कि केदारनाथ, बदरीनाथ और गंगोत्री की तर्ज पर यमुनोत्री धाम में अब तक नगर पंचायत का गठन नहीं हो पाया है। इसके अभाव में धाम में सफाई, कूड़ा प्रबंधन, मूलभूत सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं का समयबद्ध संचालन नहीं हो पा रहा है जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

समिति ने खरसालीझयमुनोत्री रोपवे परियोजना का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्ष 2006 से प्रस्तावित यह योजना आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी है। वर्तमान में भी पैदल मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से यात्रा प्रभावित होती रहती है जिससे धाम में अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है। उन्होंने यमुनोत्री धाम के लिए मास्टर प्लान तैयार करने की मांग करते हुए यमुनोत्री धाम के साथ साथ खरसाली से गरुड़ गंगा तक पैदल मार्ग, सीवर लाइन, ठोस कचरा निस्तारण व्यवस्था, स्नान घाट, चेंजिंग रूम, हाईटेक शौचालय, स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन देने वालों में यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, समिति सदस्य श्याम सुंदर उनियाल आदि शामिल रहे।

उफनती बौनगाड पार कर स्कूल पहुंच रहे छात्र—शिक्षक

उत्तरकाशी। डुंडा विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज बौन के छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के लिए बरसात में विद्यालय पहुंचने के लिए उफान पर बह रही बौनगाड के बीच से जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। वहां पर करीब दो वर्ष से पुल का निर्माण नहीं हो पाया है। इससे छात्रों सहित शिक्षकों को टूटे हुए पुल के एक हिस्से के बाद नदी के बीच से मानव शृंखला बनाकर आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजकीय इंटर कॉलेज और बौन गांव को जोड़ने वाला पैदल पुल करीब दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन उसके बाद आज तक लोक निर्माण विभाग की ओर से उस पुल के निर्माण के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। पुल का एक हिस्सा टूटकर नदी में गिरा है। हर वर्ष बरसात में वहां पर छात्र–छात्राओं को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ता है। प्रशासन की अनदेखी के कारण वहां पर कभी भी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। हर दिन उफान पर बह रहे बौनगाड के बीच से दर्जनों छात्र–छात्राएं और शिक्षक आवाजाही कर रहे हैं। स्थिति यह है कि

स्कूल खुलने और बंद होने पर छात्र–छात्राएं और शिक्षकों को नदी पार करने के लिए एक–दूसरे का इंतजार करना पड़ता है। उसके बाद अधिक संख्या होने पर वहां से मानव शृंखला बनाकर खतरे के बीच आवाजाही होती है। इस दौरान नदी के बीच पत्थरों पर पैर फिसलने से नदी के तेज बहाव में बहने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शायद प्रशासन और लोक निर्माण विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

प्रीति गोल्ड मेडल से एक कदम दूर

5-0 की जीत के साथ फाइनल में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के महिला 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। तीसरे राउंड में शानदार काउंटर अटैक और लगातार सटीक पंचों के दम पर प्रीति ने मुकाबले पर पूरा कंट्रोल बनाए रखा और अब गोल्ड मेडल मुकाबले में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से भिड़ेंगी। बॉक्सर प्रीति ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।

भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले के ज्यादातर समय म्वापे पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चालाकी से म्वापे को अपनी ओर आकर्षित किया और असरदार काउंटर-अटैक किए, जिसमें उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच खास तौर पर कारगर रहा।

फाइनल मुकाबले से पहले क्या बोलीं प्रीति पवार?

जीत के बाद प्रीति नें कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने वही किया जिसकी मैंने तैयारी की थी। गोल्ड मेडल के लिए मुझे कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैं कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेती और हमेशा अपने कोच के साथ मिलकर विस्तार से तैयारी करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं उन योजनाओं को सही ढंग से लागू कर पा रही हूं।'

प्रीति के खिलाफ म्वापे को करना पड़ा संघर्ष

मुकाबले के दौरान म्वापे को सटीक पंच लगाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और जब भी प्रीति ने कॉम्बिनेशन स्ट्राइक (लगातार कई पंच) किए, तो म्वापे को मार खानी पड़ी। जाम्बियन बॉक्सर के संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें पहले दो राउंड में तीन बार 'एट-काउंट' (रेफरी द्वारा गिनती) का सामना करना पड़ा।

प्रीति पवार की बड़ी उपलब्धियां

साल 2026 में प्रीति ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। इसके अलावा इसी साल उन्होंने गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में 54 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधत्व करने वाली प्रीति ने 2025 में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वो पहली बार सुर्खियों में साल 2022 एशियन गेम्स में आईं जब उन्होंने इस ब्रोंज मेडल जीता था।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत की ओर से पहले रिकॉर्ड बन चुका है। भारतीय बॉक्सर 10 मेडल पक्का कर चुके हैं जो बॉक्सिंग में सर्वाधिक है। बर्मिंघम में भारत ने 7 मेडल जीते थे। 7 में से 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल शामिल था।

एक बेटे की मां और पीएचडी होल्डर सीमा कालीरमन ने मचाया तहलका

रोमांचक मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल किया अपने नाम

नई दिल्ली। जब किस्मत और मेहनत साथ हो तो फिर बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही भारत की डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी सीमा कालीरमन के साथ हुआ है। सीमा ने ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सीमा ने 58.65 मीटर का अपना बेस्ट थ्रो फेंका और मेडल जीता।

सीमा के महज दो थ्रो ही सही थे और बाकी फाउल के कारण अमान्य घोषित कर दिए गए थे। इन्हीं दो में से एक ने उन्हें मेडल दिला दिया। उन्हें कैमरून की मोनी नोरा अतिम टक्कर दे रही थीं। आखिरी थ्रो में अगर वह 58.65 मीटर से ज्यादा का थ्रो फेंक देतीं तो सीमा के हाथ से मेडल चला जाता, लेकिन किस्मत ने यहां उनका साथ दिया और कैमरून की खिलाड़ी पीछे रह गई।

जमैका की समांथा हॉल ने 61.66 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

सीमा हैं पीएचडी होल्डर

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की।

रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन से ही सीमा ने अपने करियर के मुश्किल पड़ाव को पार किया और यहां तक का सफर तय किया। मां बनने के बाद सीमा को तमाम तरह की दिक्कतें आ रही थीं। वह सही से थ्रो भी नहीं कर पा रही थीं, लेकिन पति की मदद से उन्होंने सारी बाधाओं को पार किया।

सीमा ने जारी रखी परंपरा

ये उनका बड़े मंच पर पहला मेडल है। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में भारतीय महिलाओं के मेडल जीतने की परंपरा को जारी रखा है। यह भारत का महिला डिस्कस थ्रो में नौवां मेडल है। इसी के साथ सीमा कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की छठी महिला खिलाड़ी हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा

मुंबई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीम: ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

दलीप ट्रॉफी 2026-27

जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए खेलने की मंजूरी दे दी है। बुमराह को फिटनेस के आधार पर चुना गया था क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर रहना पड़ा था।

BCCI के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने COE के जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।' श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त को गाले में शुरू होगी और दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना जरूरी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए 9 टेस्ट मैचों में से 7 जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर होने वाली सीरीज से पहले श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना बहुत जरूरी है, क्योंकि न्यूजीलैंड का दौरा एक मुश्किल चुनौती हो सकता है।

वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

भारत को पहले से ही हर्षित राणा और नितीश रेड्डी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जो क्रमशः हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं और आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से खेल से दूर हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ का बड़ा ऐलान, भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।भारतीय फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टीम फीफा रैंकिंग के टॉप 5 में मौजूद किसी टीम से भिड़ेगी। ब्राजील मौजूदा रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। ब्राजील के फुटबॉल महासंघ ने भी इस मैच का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया के साथ भी दो मुकाबले खेलेगी। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह पूर्व विश्व विजेता टीम का पहला मैच होगा।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ञ्श2ठ्ठह्य1द्बद्यद्द और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

ढ्ढस्नस्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है।